सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 303 | जौनपुर, मंगलवार, 30 जुलाई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बिजली चोरी का आडियो वायरल

लखनऊ, संवाददाता। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में बिजली चोरी के आडियो क्लिप वायरल होने के मामले में बलिया में तैनात अवर अभियंता सतर्कता गोपीचंद गुप्ता तथा उप निरीक्षक प्रभारी प्रवर्तन दल अमित कुमार यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। ऊर्जा मंत्री को जल निगम फील्ड हॉस्टल में समीक्षा के दौरान उन्हें एक आडियो क्लिप मिला, जिसमें बलिया के चंद्रावर निवासी विवेक कुमार चौहान ने विभाग की टीम रुपये मांग रही है। इस प्रकरण में ऊर्जा मंत्री ने तत्काल कार्रवाई की। दो के निलंबन का आदेश देने के साथ ही बलिया के तत्कालीन मुख्य आरक्षी राजकुमार वर्तमान में फिरोजाबाद में तैनात है। उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद को निर्देश दिए हैं। ऊर्जा मंत्री ने सभी विद्युत कार्मिकों और विजिलेंस टीम को चेतावनी दी कि है कि भ्रष्टाचार में संलिप्तता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी। ऊर्जा मंत्री ने डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों को निर्धारित शेड्यूल के अनुरूप ही सभी क्षेत्रों को विद्युत आपूर्ति करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्युत फॉल्ट, ट्रांसफार्मर जलने या अन्य किसी कारण से विद्युत आपूर्ति बाधित न हो। बैठक में यूपीपीसीएल अध्यक्ष डॉ आशीष कुमार गोयल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़े – गहलोत

राजस्थान, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को आरोप लगाया कि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार आने के बाद से अनुसूचित जाति एवं जनजाति के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़े हैं तथा मुख्यमंत्री को इन मामलों का संज्ञान लेकर दलितों एवं आदिवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। शेरगढ़ में हुई एक घटना की खबर साझा करते हुए गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, "राजस्थान में हमारी सरकार के दौरान अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर त्वरित कार्रवाई की जाती थी एवं पुलिस हमेशा पीड़ित पक्ष के साथ मजबूती से खड़ी दिखती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बदलने के बाद से ही प्रदेश में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के खिलाफ अपराधों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। दलितों एवं आदिवासियों के विरुद्ध अपराधों में दिसंबर 2023 की तुलना में 2024 के जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई और जून में क्रमश' 32.7 फीसदी, 33.7 प्रतिशत, 34.1 फीसदी, 19.5 प्रतिशत, 62.5 फीसदी एवं 53.37 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

लव जिहाद के साथ नाबालिग और एससी-एसटी के धर्म परिवर्तन पर होगा आजीवन कारावास

लखनऊ, संवाददाता। लव जिहाद, एससी–एसटी के धर्म परिवर्तन के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार ने सख्त कदम उठाया है। सोमवार को विधानसभा में पेश किए गये उप्र विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक में धर्म परिवर्तन से जुड़े अपराधों में सजा की अवधि को बढ़ा दिया गया है। इसमें आजीवन कारावास और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने का प्राविधान किया गया है। साथ ही, विदेशों से धर्म परिवर्तन के लिए होने वाली फंडिंग पर अंकुश लगाने के लिए भी सख्त प्राविधान किए गये हैं। बता दें कि संशोधन के जरिए राज्य सरकार ने वर्ष 2021 में लाए विधेयक को सजा और जुर्माने की दृष्टि से और मजबूत

किया है। यदि किसी नाबालिक, दिव्यांग अथवा मानसिक रूप से दुर्बल व्यक्ति, महिला, एससी–एसटी का धर्म परिवर्तन कराता है तो उसे आजीवन कारावास और एक लाख रुपये जुर्माने से दंडित किया जा सकेगा। इसी तरह सामूहिक धर्म परिवर्तन पर भी आजीवन कारावास और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा होगी। विदेशी अथवा गैरकानूनी संस्थाओं से फंडिंग हासिल करने पर 14 वर्ष तक की सजा और 10 लाख रुपये जुर्माने की सजा होगी। यदि कोई धर्म परिवर्तन कराने के आशय से किसी व्यक्ति के जीवन या संपत्ति को भय में डालता है, हमला अथवा बल प्रयोग करता है, शादी करने का वादा करता है, प्रलोभन देकर किसी नाबालिक, महिला या व्यक्ति की तस्करी करता है, तो उसके 20 वर्ष से कम सजा नहीं होगी। इसे आजीवन कारावास तक (मृत्यु होने तक) बढ़ाया जा सकेगा। इसके अलावा पीड़ित के इलाज और पुनर्वास के लिए भी जुर्माना देना होगा।

सरकार के बल पर नहीं जीता जाता चुनाव

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति में लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर चर्चा हुई। ओबीसी कार्यसमिति की बैठक में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर अपने तेवर दिखाए हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार के बल पर चुनाव नहीं जीता जाता है। उन्होंने कहा कि पार्टी ही जीतती है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा का चुनाव अति आत्मविश्वास से हारा गया है। ओबीसी कार्यसमिति की बैठक में केशव प्रसाद ने कहा कि समाज और सरकार एक दूसरे के पूरक हैं। सरकार और संगठन दोनों मिलकर ही सरकार चलाते हैं। भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) के रूप में माता प्रसाद पांडे की नियुक्ति को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर श्पीडीएश कटाक्ष किया। यादव ने लोकसभा चुनाव

से पहले पीडीए का संक्षिप्त नाम तैयार किया और आरोप लगाया कि उनकी प्रतिद्वंद्वी पार्टियों ने पीडीए – पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) समुदाय के लिए कुछ नहीं किया है। समाजवादी पार्टी ने रविवार को सात बार के विधायक माता प्रसाद पांडे को राज्य विधानसभा में एलओपी नियुक्त किया।

विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने से पहले मीडिया से बात करते हुए मौर्य ने अखिलेश की असलियत उजागर हो गई है।

जयशंकर ने हिंद प्रशांत में द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग पर चर्चा की

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को टोक्यो में अपनी ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग से मुलाकात की। इस दौरान, दोनों नेताओं ने सुरक्षा, व्यापार एवं शिक्षा सहित द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और हिंद–प्रशांत में व्यावहारिक सहयोग को गहरा करने के कदमों पर चर्चा की। जयशंकर और वोंग क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए टोक्यो में हैं। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, टोक्यो में ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग से मुलाकात के साथ दिन की शानदार शुरुआत हुई। सुरक्षा, व्यापार और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में हमारे द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने के लिए आगे के कदमों पर बात की। साथ ही हिंद–प्रशांत क्षेत्र में हमारे व्यावहारिक सहयोग को गहरा करने पर भी चर्चा की। जल्द शुरू होने वाली क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में इसे जारी रखने के लिए उत्सुक हूं। 2017 में 'क्वाड' की स्थापना की थी, ताकि हिंद–प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखने के लिए एक नयी रणनीति विकसित की जा सके। तीन हफ्ते पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस यात्रा से भारत–अमेरिका संबंधों में उत्पन्न असहजता की पृष्ठभूमि में जयशंकर ने रविवार को अपने अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन के साथ व्यापक वार्ता की। उन्होंने टोक्यो के एडोगावा स्थित फ्रीडम प्लाजा में महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण भी किया था।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 'झूठे' मामले में जेल भेजा गया - सुनीता केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने हरियाणा के लोगों से रविवार को आग्रह किया कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करके उनके पति को ''झूठे'' मामले में जेल भेजने के ''अपमान'' का बदला लें। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अरविंद केजरीवाल से ''ईर्ष्या'' करते हैं क्योंकि उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) शासित दिल्ली और पंजाब के लिए काम किया है। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। उच्चतम न्यायालय ने उन्हें अंतरिम जमानत दे दी है लेकिन वह अभी भी जेल

में हैं क्योंकि सीबीआई ने उन्हें संबंधित मामले में गिरफ्तार कर लिया है। हरियाणा के दो दिवसीय दौरे पर आईं सुनीता केजरीवाल ने यहां सांपला में एक सभा को संबोधित किया और कहा कि उनके पति ने सरकारी स्कूलों तथा अस्पतालों का "कायाकल्प" किया और दिल्ली तथा पंजाब में मोहल्ला क्लिनिक बनाए। उन्होंने कहा, ''उन्होंने ऐसे काम किए जो पुरानी पार्टियां और बड़े नेता कभी नहीं कर पाए।'' सुनीता केजरीवाल ने कहा, ''अब दिल्ली और पंजाब में 24 घंटे बिजली आपूर्ति हो रही है। केजरीवाल ने लोगों की भलाई के लिए बहुत काम किया है। क्या कोई ऐसी पार्टी है जिसने सरकारी स्कूलों का कायाकल्प किया हो, मोहल्ला क्लीनिक बनाए हों, चिकित्सा प्रणाली में सुधार किया हो और बिजली मुफ्त की हो?''

उन्होंने कहा, ''ये सभी काम केवल हरियाणा के लाल (अरविंद) केजरीवाल ही कर सकते हैं।'' उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ''केजरीवाल से ईर्ष्या करते हैं, क्योंकि वह ऐसा काम नहीं कर सकते''। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित हरियाणा के सांपला में सरकारी स्कूल की हालत खराब है और क्षेत्र में लंबे समय तक बिजली कटौती होती है। उन्होंने कहा, ''मोदी न तो स्कूलों की स्थिति सुधार सकते हैं और न ही अस्पताल। अरविंद केजरीवाल को उनके काम रोकने के लिए झूठे मामले में जेल में डाला गया। मोदी जी ने हरियाणा को चुनौती दी है कि उन्होंने केजरीवाल को जेल में डाल दिया है और वे जो कर सकते हैं, कर लें। खुद को ''हरियाणा की बहू'' बताते हुए सुनीता केजरीवाल ने लोगों से पूछा, ''क्या आप यह अपमान बर्दाश्त करेंगे?''

हेमंत को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने भी हाई कोर्ट का फैसला रखा बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हाई कोर्ट के जमानत फैसले में दखल देने से इनकार कर बड़ी राहत दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा दी गई जमानत को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी, लेकिन शीर्ष अदालत ने याचिका खारिज कर दी। एक उल्लेखनीय निर्णय में, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि उच्च न्यायालय का आदेश उचित था और वह इसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहता था। शीर्ष अदालत ने इस बात पर भी जोर दिया कि उच्च न्यायालय की टिप्पणी किसी भी तरह से चल रहे मुकदमे को प्रभावित नहीं करेगी। सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय का 28 जून का आदेश बहुत अच्छी तरह से तर्कपूर्ण था। पीठ ने कहा कि

विवादित आदेश में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं। उच्च न्यायालय में सोरेन की जमानत याचिका का विरोध करते हुए, ईडी ने आरोप लगाया था कि उन्होंने राज्य की राजधानी रांची के बार्गेन क्षेत्र में 8.86 एकड़ जमीन षौरकानूनीष तरीके से हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री के रूप में अपने पद का दुरुपयोग किया।

ईडी ने क्या दावा किया?

सोरेन के वकील ने दलील दी थी कि केंद्रीय एजेंसी ने उन्हें आपराधिक मामले में गलत तरीके से फंसाया है। ईडी ने दावा किया था कि जांच के दौरान, सोरेन के मीडिया सलाहकार अभिषेक प्रसाद ने स्वीकार किया कि झामुमो नेता ने उन्हें भूखंड के स्वामित्व विवरण को बदलने के लिए आधिकारिक रिकॉर्ड में हेरफेर करने का निर्देश दिया था। यहां बता दें कि इस मामले में 31 जनवरी को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने से कुछ देर पहले ही सोरेन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके आवास पर पूछताछ करने से पहले उन्हें ईडी द्वारा कई बार बुलाया गया और बाद में 31 जनवरी को गिरफ्तार कर लिया गया।

बिहार के हर जिले से आ रही चीख व गोलियों की आवाज – तेजस्वी यादव

पटना, एजेंसी। बिहार में विपक्ष प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को आड़े हाथों लेते रहा है। इस बीच, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोमवार को एक बार फिर कानून व्यवस्था को लेकर सत्ता पक्ष पर निशाना साधा है। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि हर जिले से चीख और गोलियों की आवाज आ रही है। तेजस्वी यादव पिछले कुछ दिनों से राज्य की क्राइम बुलेटिन जारी करते रहे हैं। इस दौरान उन्होंने सोमवार को एक बार फिर 53 आपराधिक घटनाओं की सूची जारी की। विपक्ष के नेता यादव ने अपने एक्स पर लिखा कि हर जिले से आ रही है चीख और गोलियों की आवाज, ये है बिहार में डबल इंजन एनडीए का

महा चौपट राज। उन्होंने कानून व्यवस्था की स्थिति का उल्लेख करते हुए आगे लिखा कि बिहार में चहुंओर ओर से आ रही चीखें, गोलियों की आवाजें, लहू से लथपथ सड़कें और गलियां एवं खून से सने अखबार दर्शा रहे हैं कि प्रदेश में महाजंगलराज है। एनडीए के लिए मंगलराज की यही वास्तविक परिभाषा है। इसके बाद उन्होंने विगत कुछ दिनों की आपराधिक घटनाओं की छोटी सी सूची में मधुबनी में युवक की गोली मार हत्या, बेगूसराय में महिला की हत्या, पटना में छात्र की हत्या, सीवान में एक शख्स की धारदार हथियार से हत्या, बेगूसराय में युवती की पीट–पीटकर हत्या, सासाराम में युवक की हत्या सहित 53 आपराधिक घटनाओं का जिक्र किया है। उल्लेखनीय है कि तेजस्वी यादव इससे पहले भी आपराधिक घटनाओं का जिक्र करते हुए सरकार को घेरते रहे हैं।

अग्निवीरों को लेकर देश को गुमराह करने की हो रही कोशिश – राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के एक बयान पर कड़ी आपत्ति जताई, जहां गांधी ने दावा किया

था कि युवाओं को अग्निवीर श्चक्रव्यूहश में फंसा दिया गया है और सरकार ने अग्निवीरों के लिए पेंशन के लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं किया है। विपक्षी नेता के भाषण के बाद लोकसभा में एक बयान में रक्षा मंत्री ने गांधी के दावों पर आपत्ति जताई और कहा कि योजना के संबंध में देश को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। सिंह ने विपक्षी नेता के अनुरोध पर सदन के समक्ष अग्निवीर पर एक विस्तृत बयान देने की इच्छा व्यक्त की। राजनाथ ने इस दौरान साफ तोर पर कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने बजट से संबंधित जो भी भ्रांतियां पैदा की हैं, उस पर वित्त मंत्री जवाब देते समय बात करेंगी। मेरा मानना है कि बजट को लेकर कई भ्रांतियां पैदा की गई हैं। सिंह ने कहा, ''देश की सुरक्षा का मुद्दा संवेदनशील मुद्दा है। सेना से जुड़े अग्निवीरों को लेकर देश को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। जब भी आपका (लोकसभा अध्यक्ष) आदेश होगा मैं अग्निवीरों को लेकर अपना बयान देने के लिए तैयार हूं। इससे पहले राहुल गांधी ने कहा कि रक्षा मंत्री ने पहले भी कहा था।

नासिक-पुणे रेलवे मार्ग, ठाणे मेट्रो और मुंबई फनल जोन में केंद्र सरकार को सहयोग करना चाहिए - शिंदे

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज नीति आयोग की बैठक में नासिक–पुणे रेलवे मार्ग, चिपलुन कराड, ठाणे मेट्रो, मुंबई फनल जोन विकास और अन्य महत्वपूर्ण विषयों सहित बुनियादी ढांचे और विकास कार्यों से संबंधित महत्वपूर्ण परियोजनाओं को लेकर मुद्दे पेश किये। मुख्यमंत्री ने इन सभी परियोजनाओं को समय–सीमा में पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस संबंध में सहयोग करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित नीति आयोग की बैठक में महाराष्ट्र सरकार द्वारा आम आदमी को केंद्र स्थान में रखकर शुरू की गई विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने राज्य में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से संबंधित मुद्दों को भी प्रभावशाली ढंग से रखा। क्लस्टर विकास के माध्

यम से, मुंबई महानगर क्षेत्र और राज्य के अन्य भागों में पुरानी और जर्जर इमारतों से संबंधित पुनर्विकास योजनाओं को बड़े पैमाने पर शुरू किया गया है, उन्होंने कहा कि संपूर्ण एशियाई क्षेत्र में यह सबसे बड़ी ब्राउन फील्ड परियोजना है। उन्होंने यह भी कहा कि यह योजना निश्चित रूप से आम लोगों की जीवन शैली को ऊपर उठाने में सहायक होगी। यह कहते हुए कि मुंबई में झुग्गी–झोपड़ियों और जर्जर इमारतों का पुनर्विकास राज्य सरकार की एजेंसियों की सहायता से किया जाएगा, शिंदे ने कहा कि राज्य में दो लाख से अधिक घरों के निर्माण की प्रक्रिया प्रगति पथ पर है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में बड़ी सड़क परियोजनाओं में तेजी से सुधार हो रहा है और कोंकण तटीय सड़क और कोंकण ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस कोंकण के लिए 'गेम चेंजर' सिद्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए ५ हजार किलोमीटर लंबी एक्सिस कंट्रोल ग्रिड योजना जारी है।

संपादकीय

वन्यजीव संरक्षण के प्रति बढ़ती जागरूकता

भारत के इतिहास में बाघ का विशेष महत्व है। हिन्दू पौराणिक कथाओं में देवी दुर्गा बाघ की सवारी करती हैं। मां दुर्गा के पास अपार शक्ति है और बाघ उस शक्ति का मुख्य प्रतीक है। मध्यप्रदेश में दस हजार साल पुरानी रॉक कला पर बाघों का चित्रण पाया गया है। जब हम वन्य जीव संरक्षण की बात करते हैं तो उसमें सभी जीव का अपना महत्व है, किन्तु बाघ का महत्त्व हमारे लिए सदा विशेष रहा है, इसलिए इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने कई अभिनव पहल और प्रयास किए हैं, जिसका परिणाम हमारे सामने है। हम सबको ध्यान होगा कि बाघ परियोजना के 50 वर्ष पूरे होने के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक महत्वपूर्ण विषय का उल्लेख किया था उन्होंने कहा था कि 'मानवता का बेहतर भविष्य तभी संभव है, जब हमारा पर्यावरण सुरक्षित रहे और जैव विविधता का विस्तार होता रहे'। पिछले दस वर्षों में प्रकृति से जुड़ी मानवता के संरक्षण की दिशा में किए जा रहे केंद्र सरकार के ठोस पहल के कारण ही पर्यावरण व वन्य जीव संरक्षण की नीतियों पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। यह एक संवेदनशील प्रधानमंत्री की नीतियों और नेतृत्व का ही परिणाम है कि भारत में न केवल बाघों की आबादी में वृद्धि हुई, बल्कि उन्हें अनुकूल वातावरण भी प्रदान किया जा रहा है। भारत में प्रकृति की रक्षा करना हमारी महान संस्कृति का अहम हिस्सा है और शायद यही वो कारण है, जिसकी वजह से भारत के पास वन्य जीव संरक्षण में कई अनूठी उपलब्धियां हैं। जिसपर हमें गर्व करना चाहिए, दुनिया के केवल 2.4ः भूमि क्षेत्र के साथ भारत, वैश्विक जैव विविधता में लगभग 8ः योगदान देता है।

बाघों का संरक्षण और प्रयास व दिशा

बाघों के संरक्षण और उनके संवर्धन की दिशा में बाघ परियोजना ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में दस सालों में इस परियोजना को और अधिक गति मिली है, साथ ही उनके मार्गदर्शन व नेतृत्व में शुरू किया गया इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस यानी आईबीसीए वन्य जीव संरक्षण में मील का पत्थर साबित होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बाघ परियोजना के 50 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में एक अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन की जरूरत पर बल देते हुए कहा था कि– वन्यजीव संरक्षण किसी एक देश का मुद्दा नहीं है, बल्कि एक सार्वभौमिक मुद्दा है। यह एलायंस इसी भावना का विस्तार है। इसका शुभारंभ बाघ, शेर, तेंदुए, हिम तेंदुए, चीता, जगुआर और प्यूमा, यानी बिग कैट्स के संरक्षण के लिए हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की इस पहल की सराहना वैश्विक स्तर पर हो रही है। यह एलाइंस बाघ सहित अन्य बड़ी बिल्लियों और उनकी कई लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण में अग्रणी भूमिका का निर्वाह करेगा। बड़ी बिल्लियों(बिग कैटस) के निवास स्थान वाले देश एलायंस का हिस्सा बन रहे हैं। देश में वर्ष 1973 में बाघ परियोजना शुरू किया गया था। यह एक वन्य जीव संरक्षण पहल थी, जिसका प्राथमिक उद्देश्य टाइगर रिजर्व बनाकर बाघों की आबादी के प्राकृतिक आवासों में अस्तित्व और रख–रखाव को सुनिश्चित करना था। निश्चित तौर पर देश में बाघों के संरक्षण और उनकी सुरक्षा में यह परियोजना अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में इसमें गति आई है। इसकी सफलता न केवल भारत के लिए बल्कि सम्पूर्ण विश्व के लिए गर्व का विषय है। दुनिया के 70 प्रतिशत से अधिक बाघ भारत में निवास करते हैं। भारत में बाघों की संख्या 3,682 हैं। भारत में बाघ अभयारण्य लगभग 80 हजार वर्ग किलोमीटर भूमि पर फैले हैं। पिछले दस वर्षों में देश में बाघों की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

बाघ परियोजना और भारत

1973 में जब बाघ परियोजना शुरू हुई तो बाघों की गिनती के लिए वन विभाग के कर्मचारी उनके पदचिह्नों के निशान के लिए ग्लास और बटर पेपर का इस्तेमाल किया करते थे। अब वन विभाग के कर्मचारी नए जमाने की तकनीकी के साथ कदमताल करते हुए जियो टैगिंग और कैप्चर–मार्क–एंड–रीकैप्चर मेथड का इस्तेमाल करते हैं।भारत दुनिया का सबसे बड़ा टाइगर रेंज वाला देश है। बाघ परियोजना के शुरू होने के समय 9 टाइगर रिजर्व थे, वहीं अब देश में 55 टाइगर रिजर्व हो गए हैं। बाघ अभ्यारणों के प्रबन्धन का प्रभाव, उसका मूल्यांकन, बाघों की पुनर्स्थापना जैसी नीतियों के साथ साथ नए टाइगर रिजर्व की घोषणा भी बाघों की संख्या में बढ़ोत्तरी का प्रमुख कारण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी देशवासियों को लगातार वन्य जीवों के प्रति संवेदनशील होने के लिए प्रेरित करते रहे हैं। इसका भी सकारात्मक असर पड़ रहा है। पिछले वर्ष संपन्न हुए जी 20 की अध्यक्षता के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में बाघों और प्रकृति संरक्षण की अपनी भावना को भारत सरकार ने निरंतर प्रोत्साहित किया। केंद्र सरकार चीते को नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से भारत लेकर आई है। भारत में जब चीते आए तो इसकी चहुंओर सराहना हुई। चीतों के आगमन से लोगों में और अधिक वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता आई। चर्चा का विषय बना रहा। लोगों में चीते को लेकर उत्सुकता रही।

एडीआर पर समयबद्ध कार्रवाई की आवश्यकता

आदित्य

सितंबर में, संयुक्त राष्ट्र महासभा एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) पर न्यूयॉर्क में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित करेगी – सदस्य देश पहले से ही मसौदा राजनीतिक घोषणा पर बातचीत कर रहे हैं, जिसे बैठक में अपनाए जाने की उम्मीद है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) तब होता है जब बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी समय के साथ बदलते हैं और अब दवाओं का जवाब नहीं देते हैं। दवा प्रतिरोध के परिणामस्वरूप, एंटीबायोटिक्स और अन्य एंटीमाइक्रोबियल दवाएं अप्रभावी हो जाती हैं और संक्रमण का इलाज करना मुश्किल या असंभव हो जाता है, जिससे बीमारी फैलने, गंभीर बीमारी, विकलांगता और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। यह अनुमान लगाया गया है कि बैक्टीरियल एएमआर 2019 में 1.27 मिलियन वैश्विक मौतों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार था और इसने 4.95 मिलियन मौतों में योगदान दिया। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई), जो एएमआर पर वैश्विक कार्रवाई की रणनीतियों की बारीकी से निगरानी और योगदान कर रहा है, इस बात की वकालत कर रहा है कि मसौदा घोषणा में निम्न और मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) की प्राथमिकताओं और जरूरतों को पहचाना और स्वीकार किया जाना चाहिए। सीएसई के सतत खाद्य प्रणाली कार्यक्रम के निदेशक अमित खुराना कहते हैं, ष्यह महत्वपूर्ण है कि मसौदा राजनीतिक घोषणा के इर्द–गिर्द चल रही चर्चाओं में एलएमआईसी की प्राथमिकताओं के बारे में पर्याप्त जानकारी हो, जिनकी अन्य देशों की तुलना में स्पष्ट रूप से अलग चुनौतियाँ और संभावनाएँ हैं।ष नई दिल्ली (भारत) स्थित थिंक टैंक ने हाल ही में इस मुद्दे पर एक वैश्विक वेबिनार आयोजित किया था। एएमआर – विशेष रूप से एंटीबायोटिक प्रतिरोध – एक मूक महामारी है जो वर्तमान समय के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों में से एक है। मनुष्यों, जानवरों और फसलों में एंटीबायोटिक दवाओं का दुरुपयोग और अति प्रयोग एंटीबायोटिक दवाओं को अप्रभावी बना रहा है – बैक्टीरिया तेजी से एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी बन रहे हैं। 2019 में दुनिया भर में लगभग पाँच मिलियन मौतें एंटीबायोटिक प्रतिरोध से जुड़ी थीं। सीएसई द्वारा आयोजित वेबिनार में बोलते हुए, जीन पियरे न्येमाजी, निदेशक ए.आई., वैश्विक समन्वय और भागीदारी और एएमआर पर चतुर्भुज संयुक्त सचिवालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन, स्विट्जरलैंड ने कहारू ष्अगर हम इसे उस रूप में लाने के लिए वकालत करना जारी रखना चाहते हैं जो हम चाहते हैं तो अब समय आ गया है। हमें सदस्य देशों के वार्ताकारों के माध्यम से काम करने की जरूरत है ताकि बहुत ही साहसिक, विशिष्ट और मापनीय कार्रवाई करने की तात्कालिकता को बढ़ाने की कोशिश की जा सके।ष वेबिनार में वक्ताओं में से एक डेनमार्क के इंटरनेशनल सेंटर फॉर एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस सॉल्यूशंस के कार्यकारी निदेशक सुजीत चांडी कहते हैं, षविज्ञान, राजनीतिक प्रतिबद्धता, कथा और वित्तपोषण वे चार प्रमुख बिंदु हैं जिनकी हमें राष्ट्रीय कार्य योजनाओं पर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। चांडी साझा कर रहे थे कि एएमआर पर राष्ट्रीय कार्य योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन और वित्तपोषण के लिए क्या किया जाना चाहिए, खासकर एलएमआईसी में। उनका कहना है कि इससे इन देशों में संदर्भ–विशिष्ट चुनौतियों का समाधान करने और स्थायी समाधान विकसित करने में मदद मिलेगी। मेडिसिन सैन्स फ्रंटियर्स, एक्सेस

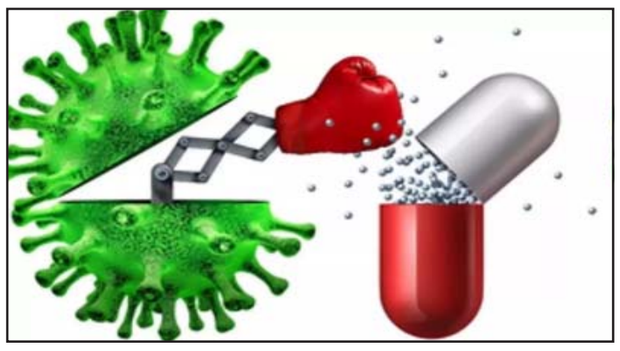

कैंपेन, इंडिया की आईपी सलाहकार और दक्षिण एशिया प्रमुख लीना मेंघानी के अनुसार, रोकथाम के अलावा, ष्पहुंच के मुद्दों पर भी उतना ही ध्यान देने की आवश्यकता है जो वास्तव में निदान पहुंच और उपचार पहुंच के मामले में लोगों को सीधे प्रभावित करते हैं। सीएसई की सतत खाद्य प्रणालियों के कार्यक्रम प्रबंधक राजेश्वरी सिन्हा ने रोकथाम को ष्एलएमआईसी में हस्तक्षेप और एजेंडा का आधार बनानेष पर जोर दिया। रोकथाम के तरीके ज्यादातर मामलों में लागत प्रभावी होते हैं और निवेश पर रिटर्न बहुत अधिक होता है। सीएसई ने हाल ही में 'यूएनजीए 2024 में एएमआर पर उच्च स्तरीय बैठक को सूचित करने के लिए निम्न और मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) की प्राथमिकताओं' पर एक नई रिपोर्ट प्रकाशित और जारी की है। रिपोर्ट में कार्रवाई के बिंदु राष्ट्रीय कार्य योजनाओं के वित्तपोषण, एंटीबायोटिक अनुसंधान एवं विकास और पहुंच, निवारक दृष्टिकोण के माध्यम से खाद्य प्रणालियों में परिवर्तन, विनिर्माण से एंटीबायोटिक प्रदूषण का प्रबंधन आदि जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। रिपोर्ट राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख सक्षमताओं और चुनौतियों को भी दर्शाती है जो वैश्विक कार्रवाई के लिए निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगी। खुराना कहते हैं, "एएमआर पर यूएनजीए उच्च स्तरीय बैठक एलएमआईसी के लिए अपनी आवाज आगे बढ़ाने का एक उपयुक्त क्षण है और इस अवसर को नहीं गंवाना चाहिए। हम सदस्य देशों से इस आवाज को सुनने की अपील करते हैं।" भारत ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) की समस्या पर उचित संज्ञान लिया है और इस मुद्दे से निपटने के लिए, भारत सरकार ने 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012–2017) के दौरान "एएमआर रोकथाम पर राष्ट्रीय कार्यक्रम" शुरू किया है जिसका समन्वय एनसीडीसी द्वारा किया जा रहा है। प्रयोगशालाओं के नेटवर्क का चरणबद्ध तरीके से विस्तार किया जा रहा है और वर्तमान में इसमें 26 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 35 राज्य चिकित्सा महाविद्यालय प्रयोगशालाएँ शामिल हैं। देश के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में एएमआर की मात्रा और प्रवृत्तियों को निर्धारित करने के लिए राष्ट्रीय रोगाणुरोधी निगरानी नेटवर्क की स्थापना की गई है। एनएआरएस– नेट के तहत नेटवर्क प्रयोगशालाओं को सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व के सात प्राथमिकता वाले जीवाणु रोगजनकों के एएमआर निगरानी डेटा प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है।

कक्षाओं में उसकी शैक्षणिक क्षमता का मूल्यांकन

विनोद

मैं परीक्षा हॉल में खाली पन्नों को निराशा से घूर रही हूँ, क्योंकि मुझे मेरे सामने रखे गए प्रश्नों के उत्तर याद नहीं आ रहे हैं। फिर मैं सोचती हूँ कि ऐसा क्यों हुआ – क्योंकि मैंने उस साल एक भी कक्षा में भाग नहीं लिया! और इससे भी ज्यादा शर्मनाक बात यह है कि जब मैं बाहर निकली तो मुझे अपने जूते और नीचे के कपड़े पहनना भूल गया! मैं भागने की कोशिश करती हूँ लेकिन दूसरे परीक्षार्थी मेरे चेहरे पर हँसते हैं, जबकि निरीक्षक मेरा रास्ता रोकते हैं। उनमें से एक मेरे कंधे को पकड़कर मुझे जोर से हिलाता है। ष्उठो श्रेया, तुम एक बुरा सपना देख रही हो!ष पता चलता है कि वह मेरा प्यारा पति है, न कि कोई आँख मूँदकर देखने वाला निरीक्षक। ठंडी अंग्रेजी सुबह के शुरुआती घंटों में अधेड़ और अधेड़, परीक्षाएँ, भारतीय गर्मी की गर्मी जिसमें वे हमेशा होती थीं, और उनके कारण होने वाली अत्यधिक चिंता, यह सब दुनिया से बहुत दूर होना चाहिए था। फिर भी, मुझे अभी भी ऐसे सपने आते हैं, और मैं उनकी सत्यता और तात्कालिकता के बारे में आश्वस्त होकर जागती हूँ। लेकिन इस बार–बार आने वाले सपने में जो घटनाएँ होती हैं, वे कभी नहीं होतीं – हालाँकि मैं सबसे अच्छा छात्र नहीं था, कभी–कभी अनुपस्थित रहता था और हमेशा पढ़ाई में कमजोर रहता था, फिर भी मैंने अपनी सभी परीक्षाएँ दीं और पास किया, कुछ में तो अच्छे नंबर भी मिले! मेरा अवचेतन मन किसी वास्तविक याद को फिर से नहीं जगा रहा है, या मुझे किसी वास्तविक घटना को फिर से जीने के लिए मजबूर नहीं कर रहा है, फिर मुझे ये बुरे सपने क्यों आते रहते हैं? जाहिर है कि यह आम बात है, क्योंकि कई चिंताएँ अवचेतन रूप से परीक्षा–चिंता के सपनों में बदल जाती हैं। सभी बुरे सपनों में से 39 प्रतिशत में से 11 प्रतिशत सपने में यह भी देखते हैं कि हम अपनी परीक्षाओं के लिए नग्न हो गए हैं! क्या आपके साथ भी ऐसा होता है? इससे भी ज्यादा दिलचस्प बात यह है कि जो लोग परीक्षाओं को बहुत पहले ही पीछे छोड़ चुके हैं, उनके लिए परीक्षाएँ इतनी भयावह क्यों होती हैं? कई लोगों के लिए, यह जीवन की पहली बड़ी बाधा होती और सबसे कठिन समयों में से एक होता, जब हम कोमल युवा और प्रभावशाली होते। कौन भूल सकता है उन तपती गर्मी के महीनों को, जब हमें रिवीजन करना पड़ता था, बिजली की कटौती जिसमें हमें टिमटिमाती मोमबत्ती की रोशनी में काम करना पड़ता था, उत्तर लिखने में लगने वाले लंबे घंटे, जिससे हमारे बेचारे हाथ लगभग लकवाग्रस्त हो जाते थे और हमारी आत्मा कुचल जाती थी? उन्होंने कहा कि हमने अपनी पहली बोर्ड परीक्षा में कितना अच्छा प्रदर्शन किया, यह हमारे जीवन की बाकी दिशा तय करेगा। यह बात हमें सिखाई गई थी कि यह या तो जीतेगी या हारेगी। इसलिए, इस मोड़ पर असफल होने का डर बहुत बढ़ गया और जब इसे दबाया भी गया, तो यह हमें हमेशा परेशान करता रहा। उन भीषण महीनों ने हमारे अवचेतन पर एक अमिट छाप छोड़ी। ष्फ्लॉपष होने के कलंक का उल्लेख नहीं करना, जिसके कारण बहिष्कार और यहां तक कि आत्महत्या भी हुईय इनमें से सबसे अधिक संख्या भारत में 15 से 24 वर्ष के बच्चों द्वारा की जाती है, जिसमें परीक्षा का दबाव एक आम ट्रिगर है। कोई आश्चर्य नहीं कि निष्पक्ष नीट परिणामों से वंचित छात्रों का गुस्सा! इनमें किए गए भावनात्मक, शारीरिक और वित्तीय निवेश की डिग्री, साथ ही, उन्हें पूरा करने से क्या हासिल होगा, इसकी उच्च उम्मीदें, अन्याय और विश्वासघात के आघात से ऊपर, इन परीक्षाओं को कैसे लागू किया गया, इसने हजारों लोगों के न्यायोचित गुस्से की आग को और भड़का दिया है। अपने बच्चों के साथ इस आघात से गुजर रहे माता–पिता के लिए, यह एक बार दूर होने जैसा नहीं लगता। कोई भी माता–पिता आपको बता सकता है कि हमारा जीवन हमारे बच्चों के साथ कितना जुड़ा हुआ है, उनका दुख हमें कैसे घायल करता है, और हम उनके हर कदम के माध्यम से वयस्कता की अपनी कठिन यात्रा को कैसे फिर से जीते हैं। जब स्कूल और कॉलेज की परीक्षाओं की बात आती है, तो समर्थन, प्रोत्साहन और उपदेश देने के अलावा, जो हम जानते हैं कि झूठ है, एक माता–पिता बस पीछे खड़े होकर देख सकते हैं, अनजाने में हमारे बच्चों को होने वाली पीड़ा में भागीदार बन सकते हैं, क्योंकि हम अच्छे विवेक से उन्हें बाहर निकलने की सलाह नहीं दे सकते। यही कारण है कि मेरे परीक्षा–चिंता के बुरे सपने वापस आ गए हैं! मेरे 16 वर्षीय बेटे ने अभी–अभी अपनी पहली बोर्ड परीक्षाएँ पूरी की हैं, यह उसके जीवन की सबसे पहली परीक्षा नहीं थी क्योंकि वह शिशु अवस्था में अस्पताल में आता–जाता रहता था, लेकिन फिर भी उसे पार करना एक बड़ी चुनौती थी। और ऐसा लगता है कि उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है (परिणाम अभी घोषित नहीं हुए हैं, लेकिन उसने परीक्षा से पहले अपने मॉक टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन किया है), फिर भी, आपको उसके चेहरे पर मुंहासे और तनाव के कारण धूल और पराग से होने वाली एलर्जी को देखना होगा, यह देखने के लिए कि उसकी शैक्षणिक उत्साह और संयम के बावजूद, इसने सचमुच एक निशान छोड़ दिया है! ब्रिटेन में उसकी बोर्ड परीक्षाओं के बारे में अच्छी बात यह है कि, मेरी कोलकाता माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक परीक्षाओं के विपरीत, उन्हें किसी अजनबी माहौल में परीक्षा देने की जरूरत नहीं है। ब्रिटेन में, वे अपने स्कूल के हॉल में बैठते हैं, हालाँकि, निश्चित रूप से, परीक्षक बाहरी होते हैं, और परीक्षा के प्रश्न उन्हें आश्चर्यचकित कर सकते हैं, लेकिन परिस्थितियाँ उन्हें आश्चर्यचकित नहीं करेंगी। मुझे याद है कि बहुत समय पहले मेरी खुद की माध्यमिक परीक्षाएँ (शायद अब चीजें बदल गई हों, उम्मीद है कि ऐसा होगा) मुझे एक ऐसे स्कूल में ले गईं जहाँ पंखे टूटे हुए थे, और डेस्क जो छूते ही टूट जाती थीं, और मेरे मामले में, एक मरा हुआ चूहा सामने आया! मुझे डेस्क बदलने की अनुमति थी लेकिन दिन की शुरुआत पेट में मरोड़ पैदा करने वाली थी। कई बच्चे असामान्य होते हैं (छह में से एक), जैसा कि मैं अनजाने में था, और नए परिवेश में फेंक दिए जाते हैं, इसलिए, ऐसी परिस्थितियों में जैसे मैंने खुद को कोलकाता की परीक्षाओं के दौरान पाया।

वैसे सभी को राह दिखा सकती है श्रीमद्भगवद् गीता

ललित

श्रीमद्भगवद गीता के इस श्लोक का अर्थ है, श्तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करना ही है। कर्मों के फल पर तुम्हारा अधिकार नहीं है। अतः तुम निरन्तर कर्म के फल पर मनन मत करो और अकर्मण्य भी मत बनो। पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए पहला मेडल जीतने के बाद शूटर मनु भाकर ने श्रीमद्भगवद गीता के इस श्लोक का जिक्र किया। मनु भाकर ने कहा कि वो श्रीमद्भगवद गीता का नियमित पाठ करती है, जिसमें कहा गया है कि स्वयं कर्म पर भरोसा रखो। जो बीत गया, उसकी चिंता में डूबने के बजाय लक्ष्य पर फोकस करो। दरअसल, टोक्यो ओलंपिक– 2020 में मेडल की रेस से बाहर होने के बाद मनु भाकर निराशा में डूब गई थी। श्रीमद्भगवद गीता ने मनु को निराशा से बाहर लाने का काम किया। मनु भाकर ने कहा कि जब वो पेरिस ओलंपिक में मेडल के लिए निशाना लगा रही थी तो उसके दिमाग में श्रीमद्भगवद गीता ही चल रही थी। दुनिया की 75 से अधिक भाषाओं में अनुवाद की जा चुकी श्रीमद्भगवद गीता का विश्व की महान विभूतियां नियमित रूप से पाठ करती रही हैं। अपने जीवन में श्रीमद्भगवद गीता की शिक्षा का अनुसरण करती रही हैं। स्वयं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रीमद्भगवद गीता से गहरा लगाव था और उनके जीवन पर श्रीमद्भगवद गीता ने गहरा प्रभाव छोड़ा था। सस्ता साहित्य मंडल नई दिल्ली से महात्मा गांधी के लेखों पर प्रकाशित पुस्तक गीता की महिमा में उनके धार्मिक विचारों की झलक मिलती है। एक लेख में महात्मा गांधी ने लिखा कि गीता शास्त्रों का दोहन है। गीता मेरे लिए माता हो गई है। जब कभी संदेह मुझे घेरते हैं और मेरे चेहरे पर निराशा छाने लगती है तो मैं गीता को एक उम्मीद की किरण के रूप में देखता हूं। गीता में मुझे एक छंद मिल जाता है, जो मुझे साथ सांत्वना देता है। मैं कष्टों के बीच मुस्कराने लगता हूं। भारत के मिसाइल मैन और पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलम भी श्रीमद्भगवद गीता से बेहद प्रभावित थे और उसका नियमित पाठ करते थे। अपनी आत्मकथा श्विंग्स ऑफ फायरश में उन्होंने अपने गीता से जुड़ाव की जिक्र किया है। एक स्थान पर कलाम ने बताया कि कैसे एक बार तिरुअनंतपुर के तट पर उन्हें भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक और महान वैज्ञानिक विक्रम साराभाई श्रीमद्भगवद गीता पढ़ते हुए मिले थे। विक्रम साराभाई ने ही उन्हें श्रीमद्भगवद गीता पढ़ने के लिए प्रेरित किया था।

वार्ता और संयुक्त कार्रवाई पाकिस्तान को सही दिशा में ले जा सकती

संजय

जम्मू में हाल ही में हुए आतंकी हमलों ने एक बार फिर भारत–पाकिस्तान संबंधों की भयावह प्रकृति पर ध्यान केंद्रित किया है, जो विभाजन और चार युद्धों, अर्थात् 1947, 1965, 1971 और 1999 की विनाशकारी विरासत से प्रभावित है। 1970 के दशक के उत्तरार्ध से पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद, पहले पंजाब में, फिर जम्मू और कश्मीर में और बाद में पूरे भारत में, संबंधों के लिए एक बोझ बन गया है।दूसरी ओर, पाकिस्तान भारत पर बलूचिस्तान में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाता है – एक ऐसा आरोप जिसे वह किसी भी हद तक विश्वसनीयता या दृढ़ विश्वास के साथ साबित करने में विफल रहा है। यह लेख भारत–पाक संबंधों की यात्रा की पड़ताल करता है, पिछले चार दशकों में इन दो पड़ोसी देशों के बीच नाजुक संबंधों को आकार देने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं पर प्रकाश डालता है। राजीव गांधी और बेनजीर भुट्टो (1989)रू 1980 के दशक के उत्तरार्ध में भारत–पाक संबंधों में एक उल्लेखनीय लेकिन क्षणिक चरण देखा गया, जिसमें भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के बीच कूटनीतिक जुड़ाव देखा गया। उनके प्रयास, भले ही नेक इरादे वाले थे, लेकिन जम्मू और कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित गहरी अविश्वास और बढ़ती हिंसा के कारण वे दब गए। इस अवधि में कश्मीर घाटी में उग्रवाद का पुनरुत्थान देखा गया, जिसमें पाकिस्तान ने अलगाववादियों को समर्थन दिया, जिससे द्विपक्षीय वार्ता में तनाव पैदा हुआ और सियाचिन ग्लेशियर के विसैन्यीकरण और सर क्रीक मुद्दे पर बातचीत को प्रभावी रूप से रोक दिया गया, जिन्हें उस समय समाधान के दायरे में आसानी से हल किया जा सकने वाला मुद्दा माना जाता था। गुजराल सिद्धांत (1998)रू 1998 में, प्रधान मंत्री आई.के. गुजराल ने गुजराल सिद्धांत के माध्यम से दक्षिण एशिया के लिए एक साहसिक दृष्टिकोण पेश किया, जिसमें क्षेत्रीय सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए गैर–पारस्परिक रियायतों की वकालत की गई। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य पाकिस्तान के साथ भी विश्वास और सहयोग का निर्माण करना था। हालांकि, भारत और पाकिस्तान के परमाणु परीक्षण करने से दक्षिण एशिया का भू–राजनीतिक परिदृश्य बदल गया। इन परीक्षणों ने दोनों देशों को वास्तविक परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित किया, रणनीतिक स्थिरता और अस्थिरता का एक नया आयाम पेश किया, जो परमाणु निरोधा के सिद्धांत पर आधारित है जो पारस्परिक रूप से सुनिश्चित विनाश (एमएडी) की धार्मिक अवधारणा पर आधारित है। परमाणु परीक्षण के बाद और कारगिल संघर्ष (1999)रू 1998 के परमाणु परीक्षणों ने शक्ति के संतुलन को अस्थिर कर दिया, जो 1999 में कारगिल संघर्ष से जल्द ही बाधित हो गया। पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों ने कारगिल क्षेत्र में भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की, जिससे एक तीव्र संघर्ष हुआ। भारत द्वारा अपने क्षेत्र को पुनः प्राप्त करने के साथ संघर्ष समाप्त हो गया, लेकिन इसने परमाणु खतरे के तहत पारंपरिक युद्ध के निहित जोखिमों को उजागर किया। अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल (2001–2002) के दौरान तनावपूर्ण संबंधरू प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल शांति पहल और बढ़े हुए तनाव के बीच उतार–चढ़ाव से चिह्नित था। 1999 का लाहौर शिखर सम्मेलन, जिसमें वाजपेयी अपने समकक्ष नवाज शरीफ से मिलने के लिए लाहौर बस से गए थे, एक उच्च बिंदु था, जो संवाद के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक था। हालाँकि, कारगिल संघर्ष और 2001 में पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों द्वारा भारतीय संसद पर हमले के कारण आशावाद अल्पकालिक था, जिसे ऑपरेशन पराक्रम के नाम से जाना जाता है, जो एक विशाल सैन्य लामबंदी थी जिसने दोनों देशों को युद्ध के कगार पर ला खड़ा किया था। इस अवधि ने शांति प्रयासों की नाजुक प्रकृति को उजागर किया, जो आतंकवाद के कृत्यों और अंतर्निहित अविश्वास से आसानी से बिखर जाता है। युद्ध विराम और सापेक्ष शांति, डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल (2003–2008) के दौरान चार सूत्री सूत्ररू 2003 में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर औपचारिक युद्ध विराम समझौते के साथ आशा की एक किरण फिर से दिखाई दी। दोनों देशों ने शत्रुता में सापेक्ष कमी देखी और दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों और बस सेवाओं की बहाली सहित कई विश्वास–निर्माण उपाय किए। वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में शुरू हुई सक्रिय बैक चौनल वार्ता इस अवधि के दौरान भी जोश के साथ जारी रही। फिर से, 2008 में 26ध11 मुंबई हमलों ने इस नाजुक शांति को हिंसक रूप से बाधित किया, जहां पाकिस्तान के आतंकवादियों ने भारत की वित्तीय राजधानी पर विनाशकारी हमला किया। हमलों ने न केवल एक गहरा घाव छोड़ा, बल्कि आतंकवाद के लगातार खतरे और स्थायी शांति को बढ़ावा देने में अपार चुनौतियों को भी उजागर किया। मनमोहन सिंह और नवाज शरीफ (2008–2014)रू मुंबई हमलों के बाद, द्विपक्षीय संबंध तनावपूर्ण रहे, जिसमें विश्वास की कमी काफी हद तक थी। 2013 में नवाज शरीफ के चुनाव ने आशावाद का एक संक्षिप्त पुनरुत्थान लाया। दोनों नेताओं ने संबंधों को बेहतर बनाने की पारस्परिक इच्छा व्यक्त करते हुए अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलनों के दौरान मुलाकात की। हालांकि, बार–बार संघर्ष विराम उल्लंघन और पाकिस्तान में डीप स्टेट की प्रवृत्ति ने राज्य की नीति के साधन के रूप में आतंकवाद से दूर न रहने की प्रवृत्ति ने किसी भी आगे की प्रगति में बाधा उत्पन्न की। नरेंद्र मोदी और वर्तमान परिदृश्य (2014–वर्तमान)रू 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के आगमन ने भारत–पाक संबंधों में एक नए चरण की शुरुआत की। श्री मोदी के दृष्टिकोण में सद्भावना के शुरुआती संकेत और सुरक्षा चुनौतियों के प्रति विषम प्रतिक्रिया दोनों शामिल थे। 2015 में नवाज शरीफ से मिलने के लिए लाहौर की उनकी यात्रा एक उल्लेखनीय इशारा थी, लेकिन उसके बाद के आतंकी हमलों, जिनमें 2016 में पठानकोट एयरबेस और उरी सैन्य शिविर पर हुए हमले शामिल हैं, ने भारत के रुख को काफी सख्त कर दिया। इन हमलों के जवाब में नियंत्रण रेखा के पार की गई कार्रवाइयों ने बलपूर्वक कार्रवाई के राजनीतिक स्वामित्व को लेने के लिए एक नए दृष्टिकोण का संकेत दिया। फरवरी 2019 में, जम्मू और कश्मीर के पुलवामा में एक आत्मघाती बम विस्फोट में लगभग 40 भारतीय अर्धसैनिक बल के जवान मारे गए, जिसके कारण पाकिस्तान के बालाकोट में एक आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर भारतीय हवाई हमले हुए।

डीएम ने मिल्कीपुर तहसील के पूरे दरोगा के कम्पोजिट विद्यालय कुरावन में किया ग्राम समाधान दिवस का शुभारंभ

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। मंगलवार को डीएम चन्द्र विजय सिंह की अध्यक्षता में तहसील मिल्कीपुर के पूरे दरोगा के कम्पोजिट विद्यालय कुरावन में ग्राम समाधान दिवस का शुभारम्भ किया गया।इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह भी मौजूद रहे।इस मौके पर जिलाधिकारी ने जिलाधिकारी ने कहा कि ग्राम समाधान दिवस के मौके पर सभी सम्बंधित विभागों द्वारा कैम्प लगाकर शिकायतों का निस्तारण कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने मौके पर मौजूद आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री से वार्ता किया।उनके द्वारा अवगत कराया गया कि ग्रामसभा में 10 गर्भवती महिलाएं तथा 08 अदर महिलाएं है जिस पर जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री को नियमित आयरन की गोलियां देने व आशा व ए0एन0एम0 को धात्री महिलाओं की नियमित जांच कराते हुये प्रसव को सीएचसीधजिला चिकित्सालय में कराने के लिए गर्भवती महिलाओं/परिजनों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिये।जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिये कि धात्री महिलाओं को नियमित पुष्ठाहार का वितरण सुनिश्चित करायें तथा मलेरिया अधिकारी को गांवों में गंदे पानी में एण्टीलॉवा के छिड़काव कराने के निर्देश दिये। उन्होंने वहां पर मौजूद लेखपालों को निर्देश दिये कि आपदा पीड़ितों का मौके पर जाकर ग्रामसभाओं में निरीक्षण करें और जिन पात्र व्यक्तियों के छप्पर व जर्जर स्थिति के मकान है उनको प्रधानमंत्रीधमुख्यमंत्री आवास योजना, राशन, चिकित्सा सुविधा सहित शासन द्वारा उपलब्ध करायी गयी अन्य सुविधाओं से लाभान्वित कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित ग्राम समाधान दिवस में 52 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें लगभग 10 का मौके पर निस्तारण कर दिया गया तथा शेष के निस्तारण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को त्वरित गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण के निर्देश दिये गये।प्राप्त शिकायतों में एक प्रार्थी द्वारा अवगत कराया गया कि उसका आयुष्मान कार्ड न बनने के कारण उसको हाल ही में हुई स्वास्थ्य समस्या से आर्थिक कठिनाई का सामना करना पड़ा जिस पर जिलाधिकारी ने तत्काल जिला पूर्ति अधिकारी को राशन कार्ड बनाकर देने के निर्देश देते हुये सम्बंधित को आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिया। ग्राम समाधान दिवस में जिलाधिकारी के समक्ष मुख्यतः आवास, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, दिव्यांग पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन, वृद्वा पेंशन, चकमार्ग, पैमाइश आदि से सम्बंधित शिकायतें प्राप्त हुई, जिसके गुणवत्ता पूर्ण व समयबद्व निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया।जिलाधिकारी ने बताया कि अगला ग्रामध्नगर समाधान दिवस का आयोजन दिनांक 6 अगस्त 2024 को नामित नोडल अधिकारियों की अध्यक्षता में 162 ग्राम पंचायतों व 08 नगर पंचायतध्नगर पालिका परिषद में प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित स्थलों पर किया जायेगा। ग्राम समाधान दिवस के मौके पर मुख्य विकास अधिकारी ऋषिराज,उपजिलाधिकारी मिल्कीपुर राजीव रतन सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित ग्राम प्रधान व सम्बंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे। ग्राम समाधान दिवस के समापन के पश्चात जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने कम्पोजिट विद्यालय कुरावन प्रांगण में आम के पौधे का रोपण करने के साथ ग्रामसभा कुरावन में दिनेश के घर से सीताराम के घर तक नाली निर्माण कार्य का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया समय पर कार्य पूर्ण न होने की जानकारी करते हुये उसका निराकरण हेतु उप जिलाधिकारी मिल्कीपुर को शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। शबताते चलें कि डीएम की नई पहल से गांवों के साथ साथ शहरों की समस्या का समाधान करने के लिये ग्राम पंचायतोंध्नगरा पंचायतोंध्नगर पालिका में आयोजित ग्राम समाधान दिवसध्नगर समाधान दिवस से लोगों के शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण हो सकेगा।ग्राम समाधान दिवस एवं नगर समाधान दिवस के रोस्टर अनुसार प्रत्येक मंगलवार को 10 से 12 बजे तक इसका आयोजन किया जाएगा।जिसमें डीएम द्वारा जिले के 162 ग्राम पंचायतों व 08 नगर निकायों में नोडल अधिकारी नामित किये गये है।जिनकी अध्यक्षता में प्राप्त शिकायतों को शिकायत रजिस्टर पर अंकित करते हुये ग्राम स्तर पर गुणवत्ता परख निस्तारण सुनिश्चित किया जायेगा तथा जो शिकायतें ग्राम पंचायत स्तर पर निस्तारण योग्य नही है।उनको सम्बंधित प्रधान एवं सम्बंधित कर्मचारी के संयुक्त हस्ताक्षर से विकासखण्डध्तहसीलध्जनपद स्तर पर प्रेषित करना सुनिश्चित करें।ग्राम समाधान दिवस में कुल कितनी शिकायतें प्राप्त हुई,कितनी शिकायतों का निस्तारण हुआ एवं पूर्व में कितनी शिकायतें थी जिसका निस्तारण किया गया कि सूचना जिला पंचायती राज अधिकारी को निर्धारित प्रारूप पर उपलब्ध कराने के लिए जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया है।इस संबंध में जिलाधिकारी ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर ही ग्राम स्तरीय समस्या का त्वरित निस्तारण तथा ब्लॉक, तहसील व जिला स्तर पर शिकायत के निस्तारण हेतु भागदौड़ से बचना व अनावश्यक खर्च की बचत होगी।

पद्मश्री सुमित्रा गुहा के सुरों से सजी सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल में महफिल

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। स्पिक मैके पर शास्त्रीय संगीत की महफिल को विद्यार्थियों के लिए किया। सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल में पद्मश्री गायिका सुमित्रा गुहा ने शास्त्रीय संगीत की बारिकियों से सुरों से साझा किया। शास्त्रीय संगीत की इस सुरमयी महफिल में राग देशकार, राग वृंदावनी सारंग में विविध प्रस्तुतियां छात्रों को सुनने को मिली। एसएनए अवार्डी पद्मश्री सुमित्रा ने पहली प्रस्तुति राग देशकार तीन ताल की प्रस्तुति के साथ देशकार आधारित गीत की प्रस्तुति दी।

फर्जी दरोगा अरेस्ट, नौकरी दिलाने के नाम पर 3 लोगों से ठगे थे नौ लाख

आजमगढ, संवाददाता। दिल्ली पुलिस का फर्जी सब इंस्पेक्टर बनकर बेरोजगारों को नौकरी दिलाने वाले आरोपी को जहानागंज थाने की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया आरोपी प्रद्युम्न कुमार जहानागंज थाना क्षेत्र के करउत गांव का निवासी है। पुलिस ने उसके पास से दिल्ली पुलिस की वर्दी, टोपी, जूता, लैपटॉप व चार पहिया वाहन, एक चार पहिया वाहन बरामद किया। आरोपी ने दो लोगों को दिल्ली पुलिस व एक को डाक विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर नौ लाख रुपये की ठगी की थी। जहानागंज थाना क्षेत्र के बरहतिर जगदीशपुर गांव निवासी आकाश कुमार ने थाने में प्रार्थना–पत्र दिया था। आरोप है कि करउत गांव निवासी प्रद्युम्न कुमार अपने आपको दिल्ली पुलिस का सब–इंस्पेक्टर और काफी पहुंच वाला बताया। वर्दी पहने अपनी फोटो भी दिखाया। प्रद्युम्न कुमार ने पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर गांव के कई लोगों से लगभग नौ लाख रुपये ले लिया। अरूण कुमार को पोस्ट ऑफिस में पोस्ट मैन के पद पर नौकरी करने के लिए कूटरचित फर्जी ज्वाईनिंग लेटर दिया गया। इसके बाद उससे फिर से पैसा लेने के लिए उसके घर आकर बकाया धनराशि के लिए दबाव बनाने लगा। बार–बार धमकी भी दे रहा था। शक होने पर कि यह कोई उप–निरीक्षक नहीं है। इसने फर्जी उप–निरीक्षक बनकर फर्जी नियुक्ति पत्र दिया है। जिसे पुलिस ने पकड़ लिया और थाने लाया।

यूट्यूब देखकर बनाया फर्जी ज्वाइनिंग लेटर

जहानागंज थाने की पुलिस ने नौकरी देने के नाम पर ठगी करने वाले आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने उसके साथ पूछताछ की तो उसने कई चौका देने वाले राज खोले। आरोपी ने बताया कि पहले वह दिल्ली में अपने पिता के पास रहकर प्राइवेट नौकरी करता था। आज कल लोगों को नौकरी नहीं मिल रही है, इसी का फायदा उठाते हुए एक योजना बनाई। जिसमें लोगों को नौकरी दिलाने के नाम पर पैसा कमाना शुरु कर दिया। बताया कि वह गांव आकर बरहतीर जगदीशपुर निवासी आकाश कुमार के घर पहुंचा और उसे अपने झांसे में लिया। आकाश ने अपने दोस्त सूरज भारती को पुलिस विभाग में और अरूण कुमार को पोस्ट आफिस में नौकरी दिलवाने के लिए कहा। आरोपी ने बताया कि पोस्टमैन के पद पर नौकरी करने के लिए अपने लैपटॉप से यूट्यूब देखकर कूटरचित फर्जी ज्वाइनिंग लेटर दिया था। नौकरी दिलाने के लिए एक युवक खुद को दिल्ली पुलिस में दारोगा बताकर कई लोगों से नौ लाख की ठगी किया था। जहानागंज थाने की पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से वर्दी, जूता–टोपी, चार पहिया वाहन व अन्य उपकरण बरामद किया गया है।

कांवड यात्रा 31 जुलाई को गंगा जल लेने घटियाघाट जायेगी - आचार्य अशोक

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)

शिव सत्संग मण्डल के अध्यक्ष आचार्य अशोक ने अवगत कराया है कि 31 जुलाई 2024 को बाबा सिद्धनाथ मन्दिर,हुसेनापुर धौकल को जलाभिषेक करने हेतु सैकडों की संख्या में श्रद्धालु 31 जुलाई 2024 को बैंड बाजे एवं झांकी के साथ शाहाबाद, पाली,रूपापुर, हुल्लापुर होते हुए घटिया घाट, फर्रुखाबाद गंगाजल लेने हेतु प्रस्थान करेगें और 01 अगस्त 2024 को घटिया घाट से गंगा जल लाकर बाबा सिद्धनाथ का जलाभिषेक करेगें।

आचार्य अशोक के अनुसार कांवड़ का अर्थ है परात्पर शिव के साथ विहार। अर्थात् ब्रह्म यानी परात्पर शिव, जो उनमें रमण करे वह कांवड़िया। प्रत्येक वर्ष श्रावण मास में लाखों की तादाद में कांवड़िए दूर–दराज से आते हैं और अपने आस–पास के स्थानों से गंगा जल भरते हैं, तत्पश्चात् पदयात्रा कर अपने–अपने स्थानों को वापस लौट जाते हैं।इसी यात्रा को कांवड़ यात्रा कहा जाता है। फिर उस गंगा जल से अपने के आसपास शिव मंदिरों में शिव का अभिषेक किया जाता है, और शिव जी से अपनी और अपनों की सुख शांति की प्रार्थना की जाती है। कहने के लिए तो ये बस एक धार्मिक आयोजन मात्र है, लेकिन इसका सामाजिक और धार्मिक महत्व बहुत है। इसका सामाजिक सरोकार भी है।

बताया कि कांवड़ के माध्यम से जल की यात्रा का यह पर्व सृष्टि रूपी शिव की आराधना के लिए है। जल आम आदमी के साथ–साथ पेड़–पौधों, पशु–पक्षियों, धरती में निवास करने वाले हजारों–लाखों तरह के कीड़े–मकोड़ों और समूचे पर्यावरण के लिए बेहद आवश्यक तत्व है। उत्तर भारत की भौगोलिक स्थिति को देखें तो यहां के मैदानी इलाकों में मानव जीवन नदियों पर ही आश्रित है।

आचार्य ने कहा कि कांवड़िए जलस्रोत से एक बार जल भरकर उसे अभीष्ट कर्म के पूर्व अर्थात् शिवजी को अर्पण करने के पहले भूमि पर नहीं रखते हैं। इसके मूल में भावना यह है कि जलस्रोत से प्रभु को सीधे जोड़ा है जिससे धारा प्राकृतिक रूप से उन पर बनी रहे एवं उनकी कृपा हमारे ऊपर भी सतत् धारा के अनुसार बहती रहे जिससे संसार सागर को सुगमता से पार किया जा सके।

उन्होंने कहा कि भोलेनाथ के भक्त यूं तो साल भर कांवड़ चढ़ाते रहते हैं, लेकिन सावन में इसकी धूम कुछ ज्यादा ही रहती है क्योंकि यह मास भगवान शिव को समर्पित है। यूपी में कांवड़ यात्रा एक पर्व कुंभ मेले के समान एक महाआयोजन का रूप ले चुकी है।इस तरह कांवड़ यात्रा की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

कांवड़ यात्रा का धार्मिक महत्व तो जगजाहिर है, लेकिन इस कांवड़ यात्रा से वैज्ञानिकों ने उत्तम स्वास्थ्य भी जोड़ दिया है। प्रकृति के इस खूबसूरत मौसम में जब चारों तरफ हरियाली छाई रहती है तो कांवड़ यात्री भोलेनाथ को जल चढ़ाने के लिए पैदल चलते हैं।

उनका कहना था कि पैदल चलने से हमारे आसपास के वातावरण की कई चीजों का सकारात्मक प्रभाव हमारे मनमस्तिष्क पर पड़ता है। चारों तरफ फैली हरियाली आंखों की रोशनी बढ़ाती है। वहीं ओस की बूंदे नंगे पैरों को ठंडक देती हैं तथा सूर्य की किरणें शरीर को रोगमुक्त बनाती हैं।

आचार्य ने बताया कि ये यात्रा प्रकृति और मानव के संबंधों में नई उष्मा, निकटता एवं प्रेम को बढ़ाती है। डॉक्टरों के मुताबिक धार्मिक चेतना से मानव जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कांवड़ यात्रा स्वास्थ्यप्रद होती है। पैदल, नाचते–गाते और दौड़ लगाते हुए शिवभक्त जाते हैं। इससे शरीर में खुशी के हार्मोंस जेनरेट होते हैं। व्यक्ति तनाव मुक्त हो जाता है। पैदल चलने से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और हार्ट और फेफड़ों को शुद्ध ऑक्सीजन मिलती है।उन्होंने सभी शिव उपासकों से 31 जुलाई की भव्य काँवर यात्रा में बड़ी संख्या में सम्मिलित होने का आग्रह किया है।

मृतक के खाते से रुपये निकाल रही महिला और युवक को बैंक कर्मियों ने पकड़ कर किया पुलिस के हवाले'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' बैंक ऑफ इंडिया की पचदेवरा शाखा से मृतक महिला के खाते में विड्रॉल लगाकर 29 हजार रुपए निकालने आई एक महिला और युवक को संदेह होने पर बैंक कर्मियों ने पकड़ लिया। शाखा प्रबंधक ने मामले की सूचना पुलिस को दी,सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों महिला एवं युवक को हिरासत में ले लिया।

पचदेवरा गांव स्थित बैंक आफ इंडिया की शाखा के प्रबंधक सर्वेश कुमार ने बताया कि मंगलवार को बैंक शाखा में रिंकू पुत्र महेश पाल सिंह निवासी ग्राम सहसोगा थाना पचदेवरा आया और अपने ही गांव की विट्टा पत्नी रावेंद्र सिंह को लाकर फर्जी तरीके से एक मृतक महिला के खाते से 29 हजार रुपए की निकासी के लिए विड्राल लगा दिया। संदेह होने पर उन्होंने खाते की जांच की तो पता चला कि खाता चमेली पत्नी डल्लू निवासी ग्राम नई बस्ती पूर्वी का है, चमेली देवी की बीते फरवरी माह में मौत हो चुकी है।

शाखा प्रबंधक ने बताया कि उन्होंने महिला और युवक को फर्जीवाड़ा करते हुए पकड़ लिया तथा मामले की सूचना पचदेवरा थाना पुलिस को दी। पुलिस के पहुंचने पर दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया तथा मामले में एफआईआर दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है।

छात्रा को अगवा कर प्रॉपर्टी डीलर ने किया दुष्कर्म, केस दर्ज

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर के शाहपुर इलाके की एक छात्रा को स्कूल जाते समय उसी के मोहल्ले के प्रॉपर्टी डीलर ने अगवा कर तिनकोनिया जंगल में दुष्कर्म किया। हालांकि, घटना दो साल पुरानी बताई जा रही है। आरोप है कि उसी दौरान आरोपी ने छात्रा का वीडियो बना लिया और दो साल से उसे डरा धमकाकर दुष्कर्म करता रहा। एसएसपी के निर्देश पर शनिवार की शाम शाहपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, शाहपुर इलाके की छात्रा दो साल पहले पिपराइच क्षेत्र के एक विद्यालय में इंटर में पढ़ती थी। आरोप है कि चार जुलाई 2022 को छात्रा स्कूल जा रही थी, उसी दौरान उसके मोहल्ले का एक युवक जो प्रॉपर्टी डीलर का काम करता है, पहुंचा और उसे जबरन अपनी कार में बैठा लिया। उसे तिनकोनिया जंगल में ले जाकर दुष्कर्म किया और वीडियो बना लिया। युवक ने छात्रा को धमकी दी कि किसी से बताई तो वीडियो वायरल कर बदनाम कर देंगे। इसी तरह छात्रा को डराकर दो सालों तक दुष्कर्म करता रहा। आरोप है कि 29 जून की रात प्रॉपर्टी डीलर छात्रा को जबरदस्ती गाड़ी पर बैठा लिया और अपने प्लॉट पर ले जाकर दुष्कर्म किया। किसी तरह पीड़िता घर पहुंची और पूरी घटना मां से बताई। पीड़िता मां के साथ शाहपुर थाना पहुंची और तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। दो दिन पहले छात्रा ने एसएसपी से गुहार लगाई। एसएसपी के निर्देश पर शनिवार की शाम शाहपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

पुलिस अधीक्षक ने सीमावर्ती चौकिया के 100 से अधिक पुलिसकर्मियों के कार्य क्षेत्र में किया बड़ा फेरबदल

बलिया जैसी घटना को रोकने के लिए पुलिस अधीक्षक ने जनपद की 10 चौकियो पर काफी दिनों से तैनात पुलिसकर्मियों को हटाया नए की किया तैनाती

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ द्वारा लगातार भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की कवायत की जा रही है। चाहे कोई भी विभाग हो लगातार इसकी मॉनीटरिंग की जा रही है। साथ ही साथ मुख्यमंत्री द्वारा ली जा रही अधिकारियों की समीक्षा बैठक में अपने–अपने जिले में भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए पुलिस अधीक्षक जिला अधिकारी अन्य अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए जा रहे हैं। बलिया जिले में पुलिस वालों द्वारा अवैध वसूली को लेकर जहां मामला सदन में उठा और इस पर शक्त कार्रवाई की जा रही है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जौनपुर के तेज तर्रार एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय पाल शर्मा द्वारा भी बलिया की जैसी घटना जनपद न दोहराई जाए इसको लेकर सक्रियता बरती जा रही है ।इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस अधीक्षक ने सोमवार देर रात जनपद की सीमावर्ती इलाकों और जिलों को जोड़ने वाली चौकियो और थानों पर तैनात सैकड़ो सिपहिया थाना अध्यक्षों और दरोगाओं को ताश के पत्तों की तरह फेंटते हुए अलग–अलग जगह पर तैनात कर दिया ।पुलिस अधीक्षक ने माना की इन थानों पर काफी दिनों से तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा बड़े वाहनों से अवैध वसूली कर उन्हें एक जिले से दूसरी तरफ गुजर जाता है इसको लेकर इस तरह की कार्रवाई की गई है। जनपद के कुल 9 पुलिस चौकियों, जिसकी सीमा दूसरे जनपद से लगती है।जिन चौकियों से पुलिसकर्मियों को हटाया गया वो इस प्रकार है। 1.सरपतहाँ–06 2. शाहगंज–04 3.गौराबादशाहपुर–09 4.केराकत–15 5.चन्दवक–28 6. रामपुर–03 7.मीरगंज–05 8. बदलापुर–06 9.महराजगंज–05 पुलिस अधीक्षक द्वारा मीडिया से बातचीत के दौरान यह भी कहा गया कि भ्रष्टाचार को रोकने के लिए इस तरह की कवायत की गई है। इससे साफ जाहिर है पुलिस अधीक्षक भी मानते हैं कि जनपद में पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार व्याप्त है। मंगलवार को इस मामले में पत्रकारों से बात करते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा ने बताया कि जैसा की यह सुनने को मिलता है की जगह–जगह जो हमारी फोर्सज लगी हुई है सड़कों से गुजरने वाले बड़े वाहनों से अवैध रूप से वसूली की जाती है इसको लेकर अक्सर बातें सुनने में आती रहती हैं उसी में प्रीवेंटिव तौर पर कार्रवाई करते हुए हैं जो स्टाफ इन चौकी पर तैनात रहे हैं उनको रोटेसन के तौर पर उनको वहां से हटाकर उनकी जगह नए स्टाफ को तैनात किया गया है हम सभी पुलिस के लोग इसके लिए पूरी तरह से प्रयासरत हैं कि जनपद में पूरी तरह से स्वच्छ रूप से पुलिस का एडमिनिस्ट्रेशन जनता को मिल सके जिससे जनता के समस्याओं को सुनवाई करके उसको समय निराकरण किया जा सके जनपद की जो भी चौकिया थाने बॉर्डर से सटे हुए हैं उनमें लगभग 100 से अधिक पुलिसकर्मी इंस्पेक्टर हेड कांस्टेबल उनका ट्रांसफर किया गया है।

डीएम ने अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल का किया लोकार्पण

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। मंगलवार को जिला धिकारी चन्द्र विजय सिंह ने भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह के साथ मनरेगाध व पंचम राज्य वित्त/15वां वित्त आयोग योजना के तहत अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल मजनाई विकासखण्ड मिल्कीपुर का लोकार्पण पूजा पाठ व पूरे विधि विधान से किया।लोकार्पण के बाद जिलाधिकारी ने गौशाला में पीपल का पौधा लगाया तथा वहां पर मौजूद सचिव व ग्राम प्रधान को बरगद के पौधे लगाने व उनकी देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर जिलाधिकारी ने गौशाला में मौजूद गौवंश को गुड़ व केले खिलाकर माला पहनाया।उन्होंने गौशाला के संरक्षक से बात करते हुए चारे व पानी की उपलब्धता, सुरक्षा के इंतजाम, टीन शेड आदि बिन्दुओं पर जायजा लेते हुये कहा कि गौशाला में नर व मादा गौवंशों को अलग–अलग रखा जाय।जिससे नर गौवंश के आक्रमक होने पर मादा गौवंशों को क्षति न पहुंचे।

क्लोरोफॉर्म सूंघा कर दुष्कर्म के आरोपी की जमानत मंजूर

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने क्लोरोफॉर्म सुंघाकर महिला संग दुष्कर्म करने के आरोपी रविंद्र सिंह की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। कोर्ट चिकित्सा न्याय सिद्धांत का जिक्र करते हुए कहा कि क्लोरोफॉर्म सूंघा कर शारीरिक संबंध बनाने की कहानी भरोसे लायक नहीं लगती। यह आरोप काल्पनिक कहानी जैसी लगती है। यह आदेश न्यायमूर्ति कृष्ण पहल की एकल पीठ ने आरोपी की जमानत अर्जी पर दिया है। कोर्ट ने कहा कि एक अनुभवहीन व्यक्ति के लिए बिना किसी व्यवधान के सो रही महिला को बेहोश कर देना बेहद असंभव है। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि षत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित होने वाली कहानी जिसमें एक महिला के चेहरे पर क्लोरोफॉर्म में भिगोए गए रूमाल को रखकर उसे अचानक बेहोश कर दिया गया और फिर उसके साथ बलात्कार किया गया, उस पर विश्वास नहीं किया जाना चाहिए।

पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा फुलवारी आश्रम

सहारनपुर, संवाददाता। फुलवारी आश्रम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां आधुनिक गैलरी बनेगी। इसके साथ ही शहीदों के फोटो लगेंगे और उनके इतिहास के बारे में एलईडी पर जानकारी दी जाएगी। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान शहीद–ए–आजम भगत सिंह भी फुलवारी आश्रम के में छिपे थे। अंग्रेज शासक भी उनको यहां तलाश नहीं पाए थे। नगर विधायक राजीव गुंबर के प्रस्ताव पर पर्यटन विभाग ने छह करोड़ का बजट जारी कर दिया है। बाबा लाल दास रोड स्थित फुलवारी आश्रम स्वतंत्रता संग्राम का गवाह रहा है। यहां पर देश की आजादी की लड़ाई के दौरान शहीद–ए–आजम फुलवारी आश्रम की मुमटी में तीन दिन तक छिपे रहे थे। कुछ समय पूर्व नगर विधायक राजीव गुंबर ने फुलवारी आश्रम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव भेजा था, जिसके लिए पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश ने छह करोड़ रुपये का बजट जारी कर दिया था। यहां डिजिटल गैलरी बनेगी। इसके साथ ही शहीदों के फोटो लगेंगे और एक हॉल बनेगा। प्रोजेक्टर के माध्यम से बच्चों, युवाओं और लोगों को देश की आजादी के बारे में जानकारी दी जाएगी। मुमटी का विशेष रूप से सुंदरीकरण होगा। इसके अलावा फव्वारा, पार्क और करीब 50 लोगों के बैठने एवं पथ प्रकाश की व्यवस्था रहेगी। आश्रम के बराबर में बह रही पांवधोई नदी पर भी एक घाट बनेगा। नगर विधायक ने बताया।

विजिलेंस कर सकती है फर्जी शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच

कानपुर, संवाददाता। फर्जी शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच पुलिस की विजिलेंस टीम कर सकती है। पुलिस ने हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देकर बुधवार को विजिलेंस अफसरों को पत्र लिखा है। दरअसल, हाईकोर्ट के आदेश में कहा गया है कि शिक्षकों की फर्जी नियुक्ति के मामले में प्रदेश के कई जिलों के लोग शामिल हैं, इसलिए विजिलेंस विभाग भी प्रकरण को संज्ञान में लेकर जांच करे। पहले भी प्रदेश में शिक्षकों की फर्जी नियुक्ति के प्रकरण सामने आ चुके हैं।

शहर में नौ शिक्षकों की फर्जी नियुक्ति के मामले में पुलिस पिता–पुत्र समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। इस मामले में पुलिस पूर्व डीआईओएस के साथ ही बाबुओं को आमने–सामने बैठाकर बयान दर्ज करना चाहती थी, लेकिन पूर्व डीआईओएस मुन्नीलाल व बाबू सुशील कुमार ने गिरफ्तारी से बचने के लिए जिला एवं सत्र न्यायधीश की कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है। पुलिस के मुताबिक इस याचिका पर हाईकोर्ट ने अपने आदेश में प्रकरण की जांच विजिलेंस विभाग से कराए जाने की बात कही है। विवेचक ने इस संबंध में जारी हाईकोर्ट का आदेश प्राप्त कर लिया है। पुलिस के मुताबिक हाईकोर्ट ने आदेश में कहा कि पूर्व में भी शिक्षकों की फर्जी नियुक्ति के मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें प्रदेश के कई जिलों के लोग हैं। इसलिए विजिलेंस विभाग भी प्रकरण को संज्ञान में लेकर जांच करे।

विजिलेंस विभाग को भेजा पत्र

हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देकर शिक्षकों की फर्जी नियुक्ति के मामले की जांच के लिए विजिलेंस विभाग को पत्र भेजा है। हाईकोर्ट के इस आदेश में शहर में नौ शिक्षकों की फर्जी नियुक्ति के मामले को अलग रखा गया है।

यह था मामला

वाराणसी की रिक्षा पांडेय, मिर्जापुर की विनीता देवी व आशीष कुमार पांडेय, मुजफ्फरनगर के नितिन कुमार, प्रयागराज के विनय सिंह व स्वाति द्विवेदी, मेरठ की ज्योति यादव व विनीत चौधरी के साथ ही सीतापुर के अरविंद सिंह यादव को फर्जी तरीके से भर्ती कराने का प्रयास किया गया था। मामले में मिर्जापुर के कॉलेज संचालक दिनेश पांडेय, मिर्जापुर के ही एक अन्य कॉलेज के लैब टेक्नीशियन अभिनव त्रिपाठी, माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के सेवानिवृत्त लिपिक लाल सिंह, चयन बोर्ड कार्यालय प्रयागराज में कार्यरत संविदाकर्मी कंप्यूटर ऑपरेटर शिवम विश्वकर्मा और ढुकरी नवाबगंज के विवेक द्विवेदी को गिरफ्तार किया गया है। इसके पहले महेंद्र पांडेय और उसके पुत्र प्रकाश पांडेय निवासी वाराणसी को भी जेल भेजा गया था।

पूर्व डीआईओएस व बाबू की याचिका पर सुनवाई 29 को

पूर्व डीआईओएस मुन्नीलाल और बाबू सुशील कुमार की अग्रिम जमानत की अर्जी पर सुनवाई 29 जुलाई को होनी है। इसमें पुलिस अर्जी निरस्त कराने के लिए कोर्ट में अपना पक्ष रखेगी।

मामले में 19 जुलाई को कोर्ट में सुनवाई के दौरान पुलिस ने दोनों की अग्रिम जमानत अर्जियों को खारिज कराने के लिए मजबूती से अपना पक्ष रखा था।

चलते कंटेनर में लगी आग, एलिवेटेड हाईवे पर लगा कई किलोमीटर लंबा जाम

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में सचेंडी से असम जा रहे एक कंटेनर में केशवनगर के पास एलिवेटेड हाईवे पर आग लग गई। पीछे चल रहे वाहन चालकों के इशारा करने पर चालक कंटेनर को किनारे खड़ा किया और ट्रक से कूद गया। इसके बाद माल उतारने की कोशिश की। इस बीच आग ने विकराल रूप ले लिया। आग लगने की वजह से बर्रा बाईपास की ओर से नौबस्ता जाने वाला यातायात बाधित हो गया। करीब दो घंटे की मशक्कत में दमकल ने आग पर काबू पाया और उसके बाद यातायात सामान्य किया जा सका। कर्रही निवासी कंटेनर चालक शैलेंद्र कुमार ने बताया कि वह सचेंडी स्थित एक डिलीवरी कंपनी के गोदाम से माल लादकर असम के तेजपुर जा रहा था। उसके साथ दूसरा चालक मीनापुर मुजफ्फरपुर निवासी उमेश साहनी भी था। बर्रा बाईपास से नौबस्ता की ओर बढ़ने पर केशवनगर के पास एलिवेटेड हाईवे पर अचानक कंटेनर के पिछले हिस्से में आग लग गई। आग लगते ही उन्होंने गाड़ी सड़क किनारे लगाई और कूदकर जान बचाई। इस बीच राहगीरों ने दमकल को सूचना दे दी। जब तक दमकल आती वह लोगों की मदद से गाड़ी में लदे माल को बाहर निकालने लगे। दमकल कर्मियों ने भी आग बुझाने के साथ ही माल को बाहर निकलवाने में मदद की। इस बीच एक पार्सल में धमाका हो गया। हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ। करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा। कई किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया। थाना प्रभारी हनुमंत विहार उदय प्रताप सिंह ने बताया कि आग लगने के बाद लगे जाम की वजह से भौती से नीचे से होकर वाहनों को नौबस्ता बाईपास से फिर एलिवेटेड हाईवे पर चढ़ाकर भेजा गया।

नो एंट्री में घुसे ट्रक... शिव भक्तों का पंडाल गिरने से दबे श्रद्धालु, जमकर हुआ हंगामा

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में दयालबाग मार्ग पर हीराबाग मोड़ के पास रविवार रात हादसा हो गया। शिव मंदिर परिक्रमा के चलते नो एंट्री के बावजूद दो ट्रक घुस आए। एक ट्रक में पंडाल में लगे स्पीकरों के तार उलझ गए। ट्रक आगे बढ़ता चला गया। इससे स्पीकर गिर गए, जिनके नीचे लोग दब गए। इससे अफरातफरी मच गई। लोगों ने ट्रकों को रोक लिया। हंगामा होने लगा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। हादसा आधी रात के बाद हुआ। हीराबाग के मोड़ पर लोगों ने पंडाल लगाया था। इसमें परिक्रमा लगाने वालों का स्वागत किया जा रहा था। पंडाल में स्पीकर भी लगे हुए थे। इस मार्ग से श्रद्धालु बल्केश्वर की तरफ निकल रहे थे। रात में अचानक एक ट्रक भगवान टाकीज की तरफ से आया, जबकि पोइया घाट की तरफ से एक मिनी ट्रक पहुंचा। मिनी ट्रक में भंडारे के स्पीकर के लिए लगे तार उलझ गए। इससे स्पीकर गिर गए। चालक ने ट्रक को भगाने का प्रयास किया। मगर, पंडाल गिर पड़ा। इसके नीचे कई लोग दब गए। इससे अफरातफरी मच गई। बाद में चालक ट्रक को छोड़कर भाग गया। दूसरे ट्रक को भी लोगों ने रोक लिया। चाबी छीन ली। इस पर चालक भाग गया। लोग ट्रक में आग लगाने की कहने लगे। मगर, तब तक पुलिस पहुंच गई। लोगों का कहना था कि नो एंट्री के बाद भी ट्रक कैसे आ गए। उन्होंने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया। हालांकि पुलिस ने सभी को शांत कर दिया। हादसा करने वाले ट्रक को खड़ा करा लिया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक न्यू आगरा धर्मेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि ट्रक ने खासपुर में सामान उतारा था। वह पोइया की तरफ से पहुंचा था। तार उलझने से हादसा हुआ। लोगों से तहरीर देने के लिए कहा था। मगर, कोई तहरीर देने नहीं आया। हादसे में कोई घायल नहीं हुआ है।

सिविल लाइंस में करोड़ों की सरकारी जमीन कब्जाने का प्रयास, 33 लोगों पर दर्ज की गई एफआईआर

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में सिविल लाइंस स्थित नजूल की करोड़ों की जमीन पर रविवार सुबह कब्जा करने का प्रयास किया गया। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने परिसर में घुसकर कमरों में ताला लगाने के साथ ही हंगामा किया। अंदर रहने वाली महिलाओं से बदसलूकी की गई। पुलिस व प्रशासनिक अफसरों के पहुंचने पर लोग वहां से भाग गए। लेखपाल की तहरीर पर कोतवाली थाने में 13 नामजद समेत 20 अन्य लोगों पर जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। देर रात कोतवाली पुलिस ने कई को हिरासत में ले लिया। इसके चलते कोतवाली में हंगामा भी हुआ। सिविल लाइंस हडर्ड चौराहा के पास एक जमीन को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है। इसी जमीन पर कब्जा करने के लिए कुछ लोग रविवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे पहुंच गए। कमरों में ताला डालने के साथ ही विवाद की स्थिति पैदा हो गई। परिसर में रह रहे लोगों की सूचना पर डीसीपी पूर्वी एसके सिंह, एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। अफसरों और पुलिस को देख कब्जा करने पहुंचे लोग वहां से निकल गए। देर शाम इस मामले में तहसील सदर में तैनात लेखपाल विपिन कुमार ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। लेखपाल की तहरीर के मुताबिक उनके क्षेत्र में नजूल भूखंडों (ब्लक–15, भूखंड सं–69, 69ए 69बी) पर कब्जे का प्रयास किया गया। आरोपी वहां लगे सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर भी निकाल ले गए।

क्या है जमीन का विवाद

डीसीपी पूर्वी एसके सिंह ने बताया कि जमीन आजादी से पहले सन् 1810 में वूमेंस यूनियन मिशनरी को 99 साल के पट्टे पर दी गई थी। उसके बाद यह यूनाइटेड फॉलोशिप ऑफ क्रिश्चियन सर्विस को लीज पर दी गई। डीसीपी के मुताबिक इसमें एक गुट इमेनुअल और एक सैमुअल का है। इनके बीच जमीन की कब्जेदारी को लेकर विवाद चल रहा है। इसमें झांसी का एक इसाई समुदाय का रहीस हरेंदर मसीह भी शामिल है। डीसीपी के मुताबिक उसने जमीन की पॉवर ऑफ अटॉर्नी अवनीश दीक्षित के नाम कर दी। अवनीश ने इसका केयरटेकर जीतेश झा को बना दिया। इसी आड़ में अवनीश दीक्षित समेत अन्य लोग कब्जा करने पहुंच गए। सैमुअल से पुलिस ने बात की तो उन्होंने कहा कि वह प्रार्थना कराकर चले गए थे।

गेटमैन को बंधक बनाया

डीसीपी के अनुसार अवनीश दीक्षित और उसके साथियों ने गेटमैन को बंधक बनाया। कैमरों का डीवीआर का पता लगाया। उसे निकालकर कब्जे में ले लिया। दूसरा गुट जब वहां पहुंचकर हंगामा करने लगा तो धमकी भी दी। उसके बाद हंगामा बढ़ता देख मौके से निकल गए। इस दौरान दूसरे गुट की महिला से बदसलूकी भी की गई है। जिस महिला से जमीन कब्जाने के दौरान विवाद हुआ। उन्होंने अवनीश दीक्षित समेत सभी आरोपियों के खिलाफ धमकाने, तोड़फोड़ संपत्ति में जबरन घुसने और अवैध वसूली की धारा में एफआईआर दर्ज कराई है। डीसीपी ने बताया कि महिला की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। दोनों एफआईआर दर्ज करने के बाद विवेचना कोतवाली प्रभारी को सौंपी गई है। विवादित जमीन का मामला क्या है और कोर्ट में मामला कहां तक पहुंचा है, जरूरत पड़ने पर कोर्ट को भी इससे अवगत कराया जाएगा।

इनके नाम दर्ज हुई रिपोर्ट

हरेंद्र मसीह, राहुल वर्मा, मौरिस एरियल, कमला एरियल, अभिषेक एरियल, अर्पण एरियल, अवनीश दीक्षित, जीतेश झा, मोहित बाजपेई, संदीप, विक्की चार्ल्स, अब्बास, जितेंद्र के अलावा 20 अज्ञात।

आरोपियों के समर्थन में कोतवाली पहुंचे समर्थक, पुलिस पर पीटने का आरोप

एफआईआर दर्ज होने के बाद अवनीश दीक्षित व अन्य को हिरासत में लेने की खबर मिलते ही आरोपियों के समर्थन में लोग कोतवाली पहुंच गए। इसमें राजनैतिक दलों के कुछ लोग, कुछ अधिवक्ता भी थे। इन लोगों ने हंगामा किया तो डीसीपी पूर्वी एसके सिंह, एडीसीपी लखन कुमार, एसीपी कोतवाली आशुतोष कुमार पुलिस और पीएसी के साथ कोतवाली पहुंच गए। आरोपियों के समर्थन में पहुंचे लोगों ने पुलिस पर पिटाई करने का आरोप लगाया। वहीं पुलिस अफसरों ने मीडिया सेल के माध्यम से पिटाई के आरोप का खंडन किया है। वहां, देर रात आरोपियों के समर्थक कोतवाली परिसर में डटे थे।

कार की टक्कर से कपड़ा व्यापारी की मौत

शामली, संवाददाता। जलालाबाद कस्बे की पुलिस चौकी के निकट सोमवार को तेज रफ्तार कार ने सामने जा रही बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाईक चालक कई फुट ऊपर तक उछला। कार कई मीटर तक बाईक सवार को खींचते हुए ले गई। हादसे में बाइक सवार कपड़ा व्यापारी उमरपुर के योगेश की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा पास में ही लगे सीसीटीवी में भी कैद हो गया। गांव उमरपुर निवासी योगेश कश्यप (35 वर्ष) पुत्र सोमबीर कश्यप की जलालाबाद में कपडे की दुकान है। सोमवार को योगेश अपने गांव उमरपुर से जलालाबाद दुकान पर जा रहा था। इसी दौरान जलालाबाद में पुलिस चौकी के निकट पीछे से आ रही एक अज्ञात कार ने योगेश की बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद योगेश बाइक से कई फुट ऊपर तक उछलकर कार के शीशे और बोनिट से टकराया। दुर्घटना के बाद भी कार चालक ने कार की स्पीड कम नहीं की। इस दौरान रेहडे में परिवार को ले जा रहे अय्यूब का परिवार भी कार और बाइक एक्सीडेंट की चपेट में आ गया। गनीमत यह यह रही कि कोई बडा हादसा नहीं हुआ। रेहडा चालक अय्यूब को मामूली चोट आई जबकि अय्यूब का रेहडा क्षतिग्रस्त हो गया। कार चालक स्पीड के साथ मौके से फरार हो गया। युवक योगेश के सिर में गम्भीर चोटे आईं और योगेश की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दी गई। परिजन मौके पर पहुंचे। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की मदद से कार और चालक के बारे में जानकारी जुटाने में लगी है।

बवाल से बचने के लिए पुलिस ने तुरंत शव को ई–रिक्शा से भेजा

मृतक योगेश ने भगवा कलर की टी शर्ट और पेंट पहन रखी थी। दुर्घटना के बाद अफवाह फैल गई कि दुर्घटना में कावडिये की मौत हो गई है। किसी बवाल की आशंका को देखते हुए पुलिस ने तुरंत राहगीरों की मदद से मृतक योगेश कश्यप के शव को ई रिक्शा से सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र थानाभवन पहुंचाया। पुलिस द्वारा युवक के शव को अमानवीय तरीके से ई रिक्शा में डालने को लेकर चर्चा है। पुलिस ने अमानवीय तरीके से शव को डालने की बात से इनकार किया है।

बिजनौर में सीओ की गाड़ी पलटी, हादसे में दो सिपाही घायल हो गए

बिजनौर, संवाददाता। राष्ट्रीय राजमार्ग 734 पर स्थित गांव आलमपुर गांवड़ी के समीप सीओ यातायात की सरकारी गाड़ी सड़क पर घूम रही गाय को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में कार में मौजूद दो आरक्षी घायल हो गए। जिन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार,

देर रात करीब 11 बजे सीओ यातायात की गाड़ी भूतपुरी दिशा से अफजलगढ़ की ओर जा रही थी। गाड़ी को आरक्षी तरूण चला रहा था। आरक्षी दीपक गिरी भी गाड़ी में मौजूद था।जबकि गाड़ी में सीओ यातायात मौजूद नहीं थे। जैसे ही गाड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग 734 पर स्थित गांव आलमपुर गांवड़ी के समीप पहुंची। गाड़ी के सामने सड़क पर घूम रही एक गाय आ गई। चालक ने गाड़ी को गाय से बचाने का प्रयास किया। किन्तु गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। दुर्घटना में कार में सवार दोनों आरक्षी घायल हो गए। जिन्हें पुलिस ने राहगिरो की मदद से सीएचसी में भर्ती कराया। दुर्घटना में आरक्षी दीपक गिरी को मामूली चोट आई है। जबकि आरक्षी तरूण गम्भीर रूप से घायल हो गया। सीएचसी से चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद आरक्षी तरूण की गम्भीरावस्था के चलते हायर सेंटर रेफर कर दिया। आरक्षी तरुण राणा को गर्दन में गम्भीर चोट आने के कारण सीएचसी से रैफर होने के बाद मुरादाबाद कॉसमॉस अस्पताल में भर्ती कराया गया।जहां उसका उपचार चल रहा है। दुर्घटना में गाड़ी भी पलटने से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।

भाई के आत्महत्या करने पर बहन ने भी लगाया फंदा

फर्रुखाबाद, संवाददाता। फर्रुखाबाद जिले में भाई के आत्महत्या करने की जानकारी पर चचेरी बहन ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजन आत्महत्या की वजह नहीं बता पा रहे हैं।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना क्षेत्र के गांव गुढ़ेरा निवासी जयवीर कुशवाह (22) दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करता था। वह दो माह पहले नौकरी छोड़कर गांव आ गया। पिता व भाइयों का खेती में हाथ बंटाता था। रविवार की रात जयवीर ने परिजनों के साथ खाना खाया और उसके बाद कमरे में सोने के लिए चला गया। परिवार के अन्य लोग छत पर सोने चले गए। सोमवार सुबह लगभग आठ बजे तक जयवीर सोकर नहीं उठा तो पिता रामकृष्ण उसके कमरे के बाहर पहुंचे। जयवीर को आवाज लगाई। जवाब नहीं मिलने पर दरवाजा खोलने का प्रयास किया, तो वह अंदर से बंद पाया। रामकृष्ण के शोर मचाने पर पुत्र रामकरन, अरुण, सुखवीर व मां कुसमा देवी आ गई। खिड़की से झांककर देखा तो जयवीर पंखे के कुंडे में दुपट्टे के फंदे से लटका था। परिजनों ने दरवाजा तोड़कर जयवीर को फंदे से उतारा।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। रामकृष्ण के घर से सौ मीटर दूरी पर चचेरे भाई बृजेश कुमार का घर है। उनकी पुत्री देवकी (20) को चचेरे भाई जयवीर के फंदा लगाकर आत्महत्या करने की जानकारी हुई तो उसने भी कमरे के कुंडे में दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बृजेश कुमार पुत्री देवकी को आवाज देते हुए कमरे में पहुंचे। उसको फंदे पर लटका पाया। जानकारी मिलने पर एसओ मीनेश पचौरी मौके पर पहुंची। देवकी के शव को फंदे से उतरवाया। फोरेंसिक टीम ने मौके पर जांच कर नमूने एकत्र किए। दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। एसओ मीनेश पचौरी ने बताया भाई के आत्महत्या करने की जानकारी पर चचेरी बहन ने भी फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली है। परिजन आत्महत्या के कारण के बारे में कोई जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। एएसपी डॉ संजय कुमार ने बताया कि भाई के आत्महत्या करने पर बहन ने भी खुदकुशी कर ली।

संक्षिप्त खबरें

दूषित पानी पीने से 30 लोग बीमार

मेरठ, संवाददाता। मेरठ से सटे सरधना के मोहल्ला कमरानवाबान में जल निगम की पाइपलाइन लीकेज होने के बाद दूषित जल पीने से करीब 30 लोग बीमार हो गए हैं, जिनमें ज्यादा संख्या छोटे बच्चों की है। बताया जा रहा है कि पानी की लाइन में काला पानी आ रहा था। इस पानी को पीने से बच्चे बीमार हो गए। उल्टी दस्त होने से बच्चों की हालत बिगड़ रही है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना के बाद डिप्टी सीएमओ डॉक्टर सुधीर मौके पर पहुंचे थे। वहीं अब मामला संज्ञान में आने पर मुख्य विकास अधिकारी नूपुर गोयल भी मौके पर पहुंची हैं। जल निगम नगर पालिका प्रशासन को जमकर फटकार लगाई।

पिछले वर्ष 500लोग हुए थे बीमार

बता दें कि पिछले साल मोहल्ला मंडी चमारान में भी दूषित जल को लेकर 500 से अधिक लोग बीमार हुए थे और पांच मौत हुई थी। इसके बाद भी जल निगम और नगर पालिका प्रशासन से जलापूर्ति में लगातार लापरवाही बरत रहा है और लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर रहा है।

स्पीड ब्रेकर पर स्कूटी अनियंत्रित, डाक्टर के भाई की मौत

सहारनपुर, संवाददाता। नगर कोतवाली क्षेत्र में बागेश्वर मंदिर के सामने स्पीड ब्रेकर पर स्कूटी अनियंत्रित होने से डॉक्टर के भाई की मौत हो गई। स्कूटी कई फीट ऊंची उछलकर दूर जाकर गिरी। वह शुक्रवार की रात कांवड़ शिविर में शामिल होने के लिए जा रहे थे। हादसा शुक्रवार देर रात का है। माधोनगर निवासी पुनीत खन्ना पुत्र डॉ. केके खन्ना (51) घर से कांवड़ शिविर में शामिल होने के जा रहे थे। चकराता रोड स्थित बागेश्वर मंदिर के सामने स्पीड ब्रेकर पर स्कूटी अनियंत्रित हो गई और चार फीट ऊंची उछलकर 12 फीट आगे जाकर गिरी। स्कूटी सवार पुनीत भी दूर जाकर गिरे। सिर सड़क पर लगा, जिससे वह बेहोश हो गए। आसपास लोगों ने देखा तो वह बचाने के लिए दौड़े और अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। पुनीत खन्ना इंजीनियर थे, जो बिजनेस भी करते थे। उनकी बेटी एमबीबीएस कर रही है, जबकि बेटा 10वीं कक्षा में है।

स्पीड ब्रेकर की ऊंचाई पर उठाए सवाल

घटना के बाद लोगों ने स्पीड ब्रेकर की ऊंचाई पर सवाल उठाए हैं। मृतक के भाई डॉ. पंकज खन्ना का कहना है कि संबंधित विभाग स्पीड ब्रेकर के मानकों पर ध्यान नहीं दे रहा है। स्पीड ब्रेकर की बनावट ठीक नहीं है। इनसे हादसे होने का खतरा रहता है।

पिकअप की टक्कर से सड़क पार कर रहे कांवड़िए की मौत

मेरठ, संवाददाता। बाइक से हरिद्वार गंगाजल लेने जा रहे कांवड़िए की मोहंड में सड़क पार करते वक्त पिकअप की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके से भाग रही पिकअप को पुलिस ने पीछा कर चालक सहित पकड़ लिया। हादसा बिहारीगढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार की रात तीन बजे हुआ। पानीपत के थाना बापोली के गांव बेगमपुर ताहरपुर निवासी दलबीर सिंह (46) पुत्र दयाचंद अकेला ही बाइक पर हरिद्वार गंगाजल लेने जा रहा था। रात करीब तीन बजे मोहंड पुलिस चौकी के पास वह प्यास लगने पर रुका। छुटमलपुर देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पैदल पार करते वक्त देहरादून से आ रही पिकअप ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मोहंड चौकी पुलिस ने उसकी जेब से मिले मोबाइल और अन्य प्रपत्र से शिनाख्त करते हुए परिजनों को खबर की। रविवार की सुबह परिजन थाने पहुंचे और आरोपी चालक के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। उधर छुटमलपुर में यूनियन बैंक के सामने ई रिक्शा और बाइक की टक्कर में मुफज्जिर पुत्र कय्युम निवासी गांव भटपुरा और ई रिक्शा चालक जरीफ निवासी गंदेवडा घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने फतेहपुर सीएचसी भर्ती कराया।

युवक ने फंदा लगाकर दी जान

बांदा, संवाददाता। युवक ने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी है। बड़े भाई ने सुबह खिड़की से देखा तो वह फंदे से लटका मिला। थाना क्षेत्र के गोधनी गांव निवासी सुखविंदर (20) ने शनिवार की रात कमरे में रस्सी से फंदा लगा लिया। रविवार को सुबह बड़े भाई अभयराज वर्मा ने उसे फंदे से लटका देखा तो परिजन और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कमरे की कुंडी काटकर शव बाहर निकाला। बड़े भाई ने बताया कि उसे रविवार को ईंट भट्ठा पर मजदूरी के लिए जाना था। रात में घर में खाना खाकर सोया था। किस वजह से फंदा लगाया उसे नहीं पता। पिता भवानीदीन खेती किसानी करते हैं। घर में मां जनकदुलारी है। तिंदवारी थाना इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह राजावत ने बताया कि परिजन ठोस वजह नहीं बता सके हैं। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

मवेशी से टकराकर बाइक सवार घायल, मौत

बांदा, संवाददाता। सड़क पर बैठे मवेशियों से टकराकर बाइक सवार गंभीर रूप से हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। गिरवां थाना क्षेत्र के पैगंबरपुर गांव निवासी राजेश (50) शनिवार की दोपहर अपनी नई बाइक से गांव जा रहा था। बड़ोखर बुजुर्ग गांव के पास सड़क पर बैठे मवेशियों से टकरा गई। इससे वह गिरकर गंभीर घायल हो गया। हेलमेट न लगाए होने की वजह से उसके सिर पर चोट आई थी। परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

इलाज के दौरान देर रात उसने दम तोड़ दिया। उधर, मृतक की बहू राधा ने बताया कि दो बेटी व एक बेटा हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।